RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः198, शनिवार, 26 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिले के सदर पीएचसी से हुई कालाजार दवा छिड़काव अभियान की शुरुआत 03

बखरी में गौ-वंश के लिए लंपी रोग रोधी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ 04

वॉर 2 का हिस्सा नहीं बनने पर वाणी कपूर ने तोड़ी चुप्पी 07

## संक्षिप्त समाचार

### ड्रोन से दागी जाने वाली प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल का डीआरडीओ ने किया सफल परीक्षण

**नई दिल्ली** : भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जहाँ रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आंध्र प्रदेश के कुर्नूल स्थित नेशनल ओपन एरिया रेंज (एनओएआर) में ड्रोन से दागी जाने वाली प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 का सफलतापूर्वक परीक्षण हुआ है। यह मिसाइल आधुनिक युद्ध की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की गई है, जो दुश्मन के ठिकानों को न्यूनतम जोखिम के साथ नष्ट करने की क्षमता रखती है। यूएलपीजीएम-वी3 पिछले वी2 वेरिएंट का एक उन्नत संस्करण है। इसमें इमेजिंग इन्फ्रारेड सीकर और डुअल थ्रस्ट प्रोपल्शन सिस्टम जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल की गई हैं, जिससे इसकी रेंज और मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

### गृहमंत्री शाह से मिले बीजेपी सांसद, चिटफंड घोटाले पर की कार्रवाई की मांग

**देहरादून** । उत्तराखंड में लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट थ्रिफ्ट कोआपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) चिटफंड घोटाले के आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदेश के बीजेपी सांसदों ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भेंट की। शाह ने आश्वस्त किया कि इस प्रकरण में आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भेंट करने वालों में हरिद्वार सांसद एवं पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, नैनीताल सांसद अजय भट्ट और टिहरी सांसद महारानी माला राज्य लक्ष्मी शाह शामिल थीं। सांसदों ने उत्तराखंड के हजारों गरीब, ग्रामीण निवेशकों की मेहनत की कमाई को ठगने वाली कंपनी एलयूसीसी के संचालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने अनुरोध किया कि इन आरोपितों को इंटरपोल की सहायता से भारत लाकर न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाए, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय और उनकी धनराशि की वापसी तय की जा सके।

### पोल खुली और शिकायतें बढ़ने के बाद अब यूनुस से छिन सकता है नोबेल पुरस्कार

**ढाका** । बांग्लादेश के मुखिया मोहम्मद यूनुस का नोबेल वाला ताज अब खतरे में है। वजह ये है कि उनकी पोल पूरी दुनिया के सामने खुल गई है। शिकायतों पर शिकायतें हो रही हैं। लोग प्रमाण के साथ बात कर रहे हैं यहां तक कुछ लोगों ने नोबेल पुरस्कार वापस लेने की भी मांग की है। नोबेल शांति पुरस्कार देने वाली कमेटी से मोहम्मद यूनुस की शिकायत की गई है। जी हां, निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता तसलीमा नसरीन ने नोबेल समिति से बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को नोबेल शांति पुरस्कार देने के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस ने दक्षिण एशियाई देश में अशांति फैलाकर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।

# मालदीव की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में हमेशा सहयोग करेगा भारत : नरेन्द्र मोदी

**एजेंसी, माले**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदीव को भारत का सबसे करीबी पड़ोसी बताते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत मालदीव की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में हमेशा सहयोग करेगा। मालदीव में राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू के साथ प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित पार्टनरशिप को नई उड़ान देने को लेकर हमने मालदीव के लिए 565 मिलियन डॉलर (लगभग पांच हज़ार करोड़ रुपये) की "लाइन ऑफ क्रेडिट" देने का निर्णय लिया है। यह मालदीव के लोगों की प्राथमिकताओं के अनुरूप, यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से जुड़ी परियोजनाओं के लिए इस्तेमाल में लायी जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग, आपसी विश्वास का परिचायक है। रक्षा मंत्रालय की बिल्डिंग, जिसका आज उद्घाटन किया जा रहा है, यह विश्वास की ठोस इमारत है।

हमारी मजबूत साझेदारी का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने सभी भारतवासियों की ओर से राष्ट्रपति और मालदीव के लोगों को स्वतंत्रता के 60 वर्षों की ऐतिहासिक वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने इस अवसर पर गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में आमंत्रित करने के लिए राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। मालदीव, भारत की "पड़ोस प्रथम" नीति और महासागर विज़न दोनों में एक अहम स्थान रखता है। भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद मित्र होने पर भी गर्व है। आपदा हो या महामारी, भारत हमेशा 'प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता' बन कर साथ खड़ा रहा है। आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने की बात हो, या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सहयोग से बनाये गए चार हज़ार सोशल हाउसिंग यूनिट्स, अब मालदीव में कई परिवारों के लिए नयी शुरुआत बनेंगे। नया आशियाना होंगे। ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना, अड्डू सड़क विकास परियोजना और पुनर्विकास किए जा रहे हनिमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से, यह पूरा क्षेत्र एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट और आर्थिक केंद्र बनकर उभरेगा।

### ब्रिटेन से मालदीव पहुंचे पीएम मोदी, आजादी के जश्न में शामिल होंगे

**एजेंसी, माले** । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 जुलाई तक विदेश यात्रा पर हैं। उन्होंने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर लगाई है, इसके बाद पीएम मोदी मालदीव पहुंच गए हैं। यहां के आजादी के जश्न में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। बता दें पीएम मोदी मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर इस द्वीप देश की यात्रा कर रहे हैं। इसे मुइज्जू के शासनकाल में दोनों देशों के बीच संबंधों में ठहराव आने के बाद इस यात्रा को एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। मोदी मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में शामिल होंगे। पीएम ने कहा है कि इस वर्ष दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ भी है। मैं राष्ट्रपति मुइज्जू और अन्य राजनीतिक नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों के लिए उत्सुक हूं।

# भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्णः शिवराज

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते को लेकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। शिवराज ने कहा कि यह समझौता अद्भुत, अभूतपूर्व, ऐतिहासिक और राष्ट्र तथा किसानों के व्यापक हित में है। केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारा ब्रिटेन के साथ जो व्यापक आर्थिक व्यापार समझौता हुआ है, वो भारतीय कृषि और किसानों के लिए वरदान है। भारत ट्रेड सरप्लस देश है, मतलब यूनाइटेड किंगडम (यूके) को 8 हज़ार 500 करोड़ रुपये के कृषि उत्पाद हम निर्यात करते हैं और वहां से हम 3 हज़ार 200 करोड़ रुपए के कृषि उत्पाद आयात करते हैं। मतलब, हमारा निर्यात ज़्यादा है व आयात कम है और इसका फ़ायदा निर्यात ज़्यादा होगा तो निश्चित तौर पर भारत को मिलेगा।

शिवराज ने कहा कि किसानों के हितों का पूरी तरह संरक्षण किया गया है। किसान हित हमारे लिए सर्वोपरि है। किसानों की सेवा भगवान की

पूजा जैसी है। इसलिए, ऐसी चीजें, जिनके आयात से हमारे किसानों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता था, उनमें कोई रियायत समझौते पर नहीं दी गई है। गेहूं, चावल, मक्का, अनाजों में जिनका व्यापक उत्पादन होता है हमारे यहां, भारत ने कोई कन्सेशन नहीं दिया है। अगर हम फलों में देखें तो सेब, अनार, अंगूर, नाशपाती, आलू बुखारा, फलों का राजा आम, अमरूद इन पर भी हमने कोई कन्सेशन नहीं दिया है। हम ऑयल सीड्स को देखें, तिलहन को देखे तो सोयाबीन, मूंगफली, सरसों में हमने कोई रियायत नहीं दी है, वहीं नट्स को देखें तो काजू, बादाम, अखरोट इन पर हमने कोई रियायत नहीं दी है। सब्जियों में आलू, प्याज़, टमाटर, लहसुन, मटर जो हमारे यहां व्यापक पैमाने पर होता है, हमने यूके को कोई कन्सेशन नहीं दिया है।

# संसद गेट पर राहुल-प्रियंका ने फाड़े एसआईआर पोस्टर, डस्टबिन में डाला

**एजेंसी, नई दिल्ली**

संसद के मानसून सत्र के पांचवें दिन विपक्ष ने बिहार में चल रहे स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन (एसआईआर) यानी वोटर वेरिफिकेशन प्रक्रिया के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हुए। एसआईआर के विरोध में विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा से लेकर नए संसद भवन के मकर द्वार तक पैदल मार्च निकाला। मार्च के अंत में मकर द्वार पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने एसआईआर लिखे पोस्टरों को फाड़कर प्रतीकात्मक डस्टबिन में डाल दिया। इस दौरान मोदी सरकार हाय-हाय के नारे भी लगाए गए। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, कि हम बिहार में चल

रही वोटर वेरिफिकेशन प्रक्रिया के खिलाफ लड़ रहे हैं, क्योंकि यह लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। ये लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक जनता को न्याय नहीं मिलता। गौरतलब है कि बिहार में एसआईआर को लेकर चौथे दिन भी राजनीतिक घमासान जारी है। विपक्ष इसे सरकार द्वारा मतदाता सूची में मनमाने फेरबदल की साजिश बता रहा है, जबकि सरकार का दावा है कि यह केवल सुधारात्मक प्रक्रिया है।

# संघ द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ तालमेल बनाने की कवायद मानी जा रही मुलाकात

**एजेंसी, नई दिल्ली**

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की और कई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया। आरएसएस के संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से यह दिल्ली के हरियाणा भवन में यह बैठक आयोजित की गई। इस मुलाकात को संघ द्वारा मुस्लिम समुदाय के साथ तालमेल बनाने की कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले तीन साल से संघ प्रमुख मोहन भागवत की तरफ से प्रमुखता से मुस्लिमों और हिंदुओं के बीच की दूरी को पाटने की शुरुआत हुई है। इस बैठक में भागवत के अलावा आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, राम लाल, इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए हैं।भागवत ने 50 से अधिक मुस्लमि मौलवियों, विद्वानों से मुलाकात की, उनमें अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम उमर अहमद इलियासी, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व चांसलर और मौलाना अबुल कलाम आजाद के

पोते फिरोज बख्त अहमद, मौलाना महमूद हसन, मौलाना नजीमुद्दीन, जुबैर गोपलानी के अलावा कई अन्य मौलवियों एवं विद्वान शामिल थे। गौरतलब है कि सितंबर 2022 में, भागवत ने भारत में धार्मिक समावेशिता को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कई प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की थी। इस बैठक का उद्देश्य आरएसएस के विचारों का प्रचार-प्रसार करना और समुदायों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना था। उस दौरान ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। हरियाणा भवन में बृहस्पतिवार को हुई बैठक को लेकर संघ की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। फिरोज बख्त ने कहा, भाईचारा सबसे जरूरी मुद्दा रहा। एक खाई बनाने की कोशशि हो रही है, उसे पाटने पर बात हुई।

### इमरान खान को जेल में गंदे पानी से नहाने को किया जा रहा मजबूर

**एजेंसी, लाहौर**। पाकिस्तान सेना के जनरल असीम मुनीर से पंगा लेने के बाद पूर्व पीएम इमरान खान बुरी तरह फंसे हैं। कई मामलों में दोषी करार दिए जा चुके इमरान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उनका कहना है कि वह देश के इतिहास में 'सबसे कठोर कारावास की सजा' काट रहे हैं। यहां तक की नहाने के लिए गंदा पानी दिया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री के 'एक्स' हैंडल से जारी एक पोस्ट में उनके हवाले से कहा गया है, मैं केवल संविधान की सर्वोच्चता और अपने देश की सेवा के लिए देश के इतिहास में सबसे कठोर कारावास की सजा काट रहा हूं। उन्होंने आरोप लगाया, 'उत्पीड़न और तानाशाही का स्तर इतना ज्यादा है कि मेरे पास नहाने के लिए जो पानी है, वह भी गंदा और दूषित है, जो किसी भी इंसान के लिए इस्तेमाल के लायक नहीं है।

# मोदी ने अपने कार्यकाल के 4,078 दिन पूरे किए, तोड़ दिया इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड

**एजेंसी, नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शुक्रवार को अपने कार्यकाल के 4,078 दिन पूरे कर लिए। इस तरह उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 24 जनवरी, 1966 से 24 मार्च, 1977 तक लगातार 4,077 दिनों तक प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि के साथ, प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे व्यक्ति बन गए हैं, उनसे आगे केवल देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 जुलाई, 2025 को लगातार 4,078 दिनों तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे, और इस तरह उनके

नाम कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी दर्ज हो गई हैं। पीएम मोदी आजादी के बाद जन्मे पहले और एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो गैर-कांग्रेसी सरकार और गैर-हिंदी भाषी राज्य से आते हैं। वह दो पूर्ण कार्यकाल पूरे करने वाले और दो बार बहुमत के साथ पुनः निर्वाचित होने वाले पहले और एकमात्र गैर-कांग्रेसी नेता भी हैं, जिससे वे लोकसभा में अपने दम पर बहुमत हासिल करने वाले एकमात्र गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, वह 1971 में इंदिरा गांधी के बाद पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू के अलावा, वे भारत में किसी राजनीतिक दल के नेता के रूप में लगातार तीन चुनाव जीतने वाले भी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। भारत के सभी प्रधानमंत्रियों और मुख्यमंत्रियों में, वे एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने किसी दल के नेता के रूप में लगातार छह चुनाव जीते हैं गुजरात (2002, 2007, 2012) और लोकसभा चुनाव (2014, 2019, 2024)।

### अभिनेता से नेता बने सांसद कमल हासन निभाएंगे बेहतरीन कार्य दायित्व : महुआ माजी

**एजेंसी, रांची**

झारखंड से राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने दक्षिण भारत के सुप्रसिद्ध अभिनेता कमल हासन को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने पर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। महुआ माजी ने शुक्रवार को दिल्ली में कमल हासन से मुलकात की और शुभकामनाएं दी। महुआ माजी ने कहा कि अभिनेता के बाद अब सांसद कमल हासन एक सांसद के रूप में बेहतर कार्य दायित्व निभाएंगे। कमल हासन अबतक जिस तरह एक कलाकार के रूप में लोगों के दिलों पर राज करते रहे हैं। वैसे ही अब एक सांसद के रूप में भी देश और समाज के हित में उत्कृष्ट कार्य करेंगे। महुआ माजी ने इस अवसर पर कमल हासन के साथ मौजूद उनकी बेटी और प्रसिद्ध अभिनेत्री श्रुति हासन को भी उनके पिता की इस नई भूमिका के लिए बधाई दी। श्रुति हासन अपने पिता के साथ संसद परिसर में उपस्थित थी। उल्लेखनीय है कि कमल हासन ने आज राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेते हुए अपने राजनीतिक करियर की नई शुरुआत की। यह सीट उन्हें डीएमके के समर्थन से मिली है। उन्होंने तमिल भाषा में शपथ ली। राज्यसभा के तमाम सदस्यों ने उनका स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

# मुख्य सचिव ने बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी के अंतर्गत डिजिटल नवाचारों का किया शुभारंभ

**एजेंसी, पटना**

बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी (बीपीएसएएस) के तत्वावधान में शुक्रवार को राज्य सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने नागरिक सेवा वितरण को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और डिजिटल बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण योजनाओं, पोर्टल एवं मोबाइल ऐप्स का शुभारंभ किया। कार्यक्रम सचिवालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित किया गया।

मुख्य सचिव अमृत लाल मीना ने इस अवसर पर कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग और बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी द्वारा तकनीकी उन्नयन और समय की मांग को ध्यान में रखते हुए किए गए इन नवाचारों के माध्यम से ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उन्होंने इन पहलों को सुशासन की दिशा में मील का पत्थर बताया। मौके पर विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत ने कहा कि यह योजना संविदा कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक अत्यंत लाभकारी कदम है। साथ ही, तकनीक आधारित यह प्लेटफॉर्म पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत करेगा। इन सभी पहलों का उद्देश्य बिहार में सुशासन, सेवा पारदर्शिता और

कर्मचारी कल्याण को नई दिशा देना है। डिजिटल नवाचारों के माध्यम से न केवल नागरिकों को सरकारी सेवाओं की निर्बाध पहुंच मिल सकेगी, बल्कि राज्य सरकार के संविदा कर्मियों को भी सामाजिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधा का भरोसा प्राप्त होगा। यह कार्यक्रम बिहार में प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध होगा। इसका देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नागरिकों की सेवा तक पहुंच को सुगम करना और संविदा कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करना भी है। कार्यक्रम के दौरान बिहार मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) का एंड्रॉइड मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया, जो अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त एचआरएमएस प्रणाली के दूसरे चरण के मॉड्यूल का भी जीयो-लाइव किया गया, जिसमें कर्मचारी स्वयं सेवा, अनुशासनात्मक कार्रवाई, वेतन प्रबंधन, पेंशन और बीमा, प्रशिक्षण, स्थानांतरण, पदोन्नति, प्रदर्शन मूल्यांकन और सेवा समाप्ति जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को डिजिटाइज़ किया गया है। इस दौरान संविदा कर्मियों के लिए समूह स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत भी की गयी है। इसके लिए बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी और एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के बीच एक त्रैवार्षिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत कुल 3,560 संविदा कर्मियों, जिनमें विभाग, जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर कार्यरत 2,850 कार्यपालक सहायक, 608 आईटी सहायक और 102 आईटी प्रबंधक शामिल हैं, को 5 लाख तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में जारी हुआ खेल कैलेंडर, 5 अगस्त से शुरू होगी खेल प्रतियोगिता

**पटना।** पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी ने सत्र 2025-26 का खेल कैलेंडर जारी कर दिया है। यूनिवर्सिटी की ओर से खेल प्रतियोगिता की शुरुआत 5 अगस्त से की जाएगी। खेल प्रभारी प्रो मनोज कुमार ने बताया कि खेल प्रतियोगिता 16 सितंबर तक चलेगी। सितंबर 2025 तक यूनिवर्सिटी टीम के गठन के लिए प्रतियोगिता का नाम, वर्ग, आयोजक कॉलेज का नाम और प्रतियोगिता की तिथि जारी कर दी गई है। टीम के गठन में राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित मानक को ध्यान में रखकर ही किया जाएगा। यूनिवर्सिटी की ओर से सभी कॉलेज के प्राचार्य, एथलेटिक्स प्रेसिडेंट, खेल प्रशिक्षकों को अपने कॉलेज में ट्रायल लेकर इंटर कॉलेज टूर्नामेंट भाग लेने के लिए चयनित कॉलेजों में खिलाड़ियों को भेजने को कहा गया है। सभी 20 खेलों में चयनित खिलाड़ियों का परिचय पत्र, आधार कार्ड और मैट्रिक के प्रमाण-पत्र की सत्यापित फोटोकॉपी रखना अनिवार्य होगा। यूनिवर्सिटी की टीम इंटर कॉलेज टूर्नामेंट से ही गठित की जाएगी।

### तेजप्रताप ने राजद, बहनों और परिजनों को किया अनफॉलो, 6 अकाउंट को कर रहे फॉलो

**पटना।** RJD प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और हसनपुर के विधायक तेजप्रताप यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने RJD के आधिकारिक हैंडल समेत अपनी बड़ी बहन और लोकसभा सांसद मीसा भारती, बहन राज लक्ष्मी यादव, हेमा यादव और परिवार के कई अन्य सदस्यों को अनफॉलो कर दिया है। तेजप्रताप के इस फैसले को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट शेयर किया था। जिसमें उनके सपने में PM नरेंद्र मोदी नजर आ रहे हैं। फोटो में PM मोदी, तेजप्रताप को BJP में शामिल होने का ऑफर देते हुए दिख रहे हैं। तेजप्रताप के सपने में PM मोदी कह रहे हैं, 'हमारी पार्टी में शामिल हो जाइए। जवाब में तेज प्रताप कह रहे हैं, 'मेरे पास अपनी पार्टी है, आप ही हमारी पार्टी से जुड़ जाइए।' इस पोस्ट के साथ ही तेजप्रताप ने लिखा, 'सत्ता के लिए सपने बेचने वाले बहुत हैं, हम वो हैं जो सपने में भी विचार नहीं बेचते। तेजप्रताप ने ये पोस्ट बुधवार को विधानसभा सभा के बाहर डिप्टी CM विजय सिन्हा के मुलाकात के ठीक बाद किया है। दरअसल, बुधवार को विधानसभा की कार्यवाही खत्म होने के बाद तेजप्रताप विधानसभा पहुंचे। वहां उनकी मुलाकात विजय सिन्हा से हुई। तेजप्रताप ने विजय सिन्हा के साथ विधानसभा के गेट पर फोटो खींचवाई। हाथ जोड़कर प्रणाम किया। विजय सिन्हा ने भी उनकी पीठ थपथपाकर आशीर्वाद दिया।

### जुआ अड्डे पर रेड में 10 लोग गिरफ्तार, 7 लाख कैश, 2 लग्जरी कार और मोबाइल मिली

**पटना।** पटना में समकालीन अभियान में बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के गोलघर तिराहा के पास मस्जिद के पीछे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जुआ अड्डे पर छापेमारी की। इस दौरान मौके से 10 लोगों को ताश खेलते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। छापेमारी में पुलिस ने 7 लाख कैश, 2 लग्जरी गाड़ी, 12 मोबाइल फोन और कई ताश की गड्डियां बरामद कीं। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल कुमार, मेड़कर कुमार और झुनझुन शामिल हैं। ये सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से लंबे समय से अवैध जुए का संचालन कर रहे थे। सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और जुआ अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। एसडीपीओ सचिवालय वन के नेतृत्व में गर्दनीबाग थाना क्षेत्र में छापेमारी कर 46 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। इस कार्रवाई में पिंटू कुमार को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके भाई और पिता को नामजद आरोपी बनाया गया है। छापेमारी के दौरान 25,000 नकद और नेपाली ब्रांड में पैक गांजा बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी पहले भी इस धंधे में शामिल थे। कार्रवाई के बाद दोबारा नशे की तस्करी शुरू कर दी थी। वे गांजे की होलसेल सप्लाई करते थे। आरोपियों पर NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस इस गिरोह के नेटवर्क और स्रोत की भी जांच कर रही है।

### पटना में स्मैक तस्कर गिरफ्तार, तलाशी के दौराप 100 पुड़िया स्मैक बरामद

**पटना।** पटना जिले के बिहटा पुलिस ने बीते देर रात एक मादक पदार्थ कारोबारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुंदन कुमार के रूप में हुई है। वह शाहपुर थानाक्षेत्र के चांदमारी इलाके का रहने वाला है। बिहटा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थानाक्षेत्र के पतसा गांव में स्मैक का कारोबार चल रहा है। गुप्त सूचना पर पुलिस ने वाहन जांच अभियान चलाया। बिहटा के पतसा मोड़ के पास पुलिस ने एक एफजेड बाइक को देखा। बाइक सवार युवक पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे पकड़कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान युवक के पॉकेट से 100 पुड़िया स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और बाइक को भी जब्त कर थाना ले आई।फिलहाल पुलिस गिरफ्तार युवक से पूछताछ कर रही है। इस मामले में शामिल अन्य लोगों का खुलासा जल्द किया जाएगा। इस संबंध में बिहटा थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली की बिहटा थानाक्षेत्र के पतसा गांव के पास कुछ युवकों के द्वारा मादक पदार्थ का कारोबार और सेवन किया जाता है। इसके बाद पुलिस की टीम के द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के क्रम में एक बाइक सवार युवक को पकड़ा गया है जिसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान युवक के पास से 100 पुरिया स्मैक बरामद किया गया। साथ ही एक बाइक को भी जप्त किया गया है। फिलहाल गिरफ्तार कारोबारी से पुलिस पूछताछ कर रही है।

### बाइक के लिए पांच माह की गर्भवती पत्नी की हत्या, मर्डर कर शव को फंदे पर लटकाया

**हाजीपुर।** वैशाली में एक पति ने अपाचे बाइक की मांग पूरी न होने पर पांच महीने की गर्भवती पत्नी की हत्या कर दी। इतना ही नहीं, मर्डर के बाद शव को फांसी के फंदे से लटकाकर फरार हो गया। मृतका की पहचान 22 वर्षीय शब्बो खातून के रूप में हुई है। घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के कीरतपुर धरिया गांव की है। मृतका शब्बो अपने मायके में ही रह रही थी। वहीं, उसका पति मोहम्मद इम्तियाज भी उसके साथ रह रहा था। पीड़िता के पिता मोहम्मद नसीम ने बताया कि, सुबह जब घरवालों ने देखा तो शब्बो का शव कमरे में फंदे से लटका मिला और उसका पति घर से गायब था। परिजनों का आरोप है कि आरोपी इम्तियाज ने अपाचे बाइक की मांग को लेकर कई बार दबाव बनाया था। जब यह मांग पूरी नहीं हुई, तो उसने हत्या कर दी। मृतका के परिजन ने यह भी बताया कि आरोपी इम्तियाज हाल ही में जेल से जमानत पर बाहर आया था। उस पर अपने भाई मोहम्मद एजाज के साथ मिलकर एक लड़की के अपहरण में संलिप्तता का आरोप था। घटना की जानकारी मिलते ही भगवानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल, आरोपी की तलाश में छापेमारी जारी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि, प्रथम दृष्टया मामला हत्या कर आत्महत्या का रूप देने का प्रतीत हो रहा है। परिजनों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

## ग्रामीण सड़कों पर सरकार का बड़ा दांव, 24,480 किमी सड़कों को मिली मंजूरी

# कोई ग्लोबल टेंडर नहीं, नेशनल टेंडरिंग से मिलेगा छोटे ठेकेदारों को लाभ :अशोक चौधरी

एजेंसी, पटना

बिहार में ग्रामीण संपर्क और आधारभूत संरचना को मजबूती देने के लिए नीतीश सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 14,036 पथों की स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लंबाई 24,480 किलोमीटर है। साथ ही 2025-26 में अब तक 4,079 पथों (6,484 किमी) की स्वीकृति भी मिल चुकी है। मंत्री चौधरी ने कहा कि विभाग की ओर से एक नई कार्य कुशल और पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है। इससे न केवल काम की गुणवत्ता बढ़ी है, बल्कि सरकारी खजाने को भी लाभ हुआ है। अब तक करीब 800 करोड़ रुपये की बचत सरकार ने की है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से कोई ग्लोबल टेंडर आमंत्रित नहीं किया गया है, बल्कि नेशनल विडिंग के तहत टेंडर निकाले गए हैं। ताकि इससे राज्य और देश के छोटे ठेकेदारों को मौका मिले। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं कि बड़े-बड़े पैकेज बनाए गए हैं और छोटे ठेकेदारों को मौका नहीं मिलेगा, जबकि हकीकत ये है कि छोटे-छोटे पैकेज बनाए गए हैं। ताकि प्रखंड और अनुमंडल स्तर तक के ठेकेदारों को लाभ मिले।

**मंत्री ने कहा, हम छोटे पैकेज तैयार करवा रहे हैं:** अशोक चौधरी ने कहा कि ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता और स्थायित्व बनाए रखने के लिए सरकार ने मेंटेनेंस पॉलिसी को प्रभावी रूप से लागू किया है। अब तक 18,000 सड़कों को इस पॉलिसी से जोड़ा है। पिछले दो महीनों में 464 पैकेज का कार्य आवंटन किया गया है। इस पैकेज के तहत सात साल तक इन सड़कों का नियमित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाएगा। इससे लंबी अवधि तक इन ठेकेदारों की उपयोगिता बनी रहेगी साथ ही सड़कों का सही रख रखाव भी संभव हो सकेगा। एक और अहम घोषणा करते हुए मंत्री ने बताया कि 9 साल बाद मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना की दोबारा शुरुआत की गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े पुलों और पुलियों का निर्माण तेजी से किया जाएगा। इससे आवागमन में सहूलियत होगी और सड़कों की गुणवत्ता भी ठीक रहेगी।

मंत्री चौधरी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह रही है कि 100 से अधिक आबादी वाले हर टोले को पक्की सड़क से जोड़ा जाए। मंत्री ने बताया कि, अब तक 5003 टोलों को जोड़ते हुए 6,538 किलोमीटर लंबी सड़कों को स्वीकृति दी जा चुकी है। सरकार 1,200 किलोमीटर अतिरिक्त पथ की स्वीकृति की दिशा में तेजी से कार्रवाई चल रही है। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि ठेकेदार गलत कागजात या ब्लैकलिस्टेड कंपनियों के नाम पर टेंडर लेने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे मामलों को चिन्हित कर विभागीय कार्रवाई की जा रही है। इस तरह के ठेकेदारों पर सरकार सख्त है। ऐसा करने वालों पर जल्द ही एफआईआर की जाएगी। अब तक केवल 2-3 झारखंड के ठेकेदार और 2 उत्तर प्रदेश से आए हैं। इससे स्पष्ट है कि स्थानीय और क्षेत्रीय ठेकेदारों को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं।

**आने वाले चुनावों को देखते हुए सरकार पूरी तरह से मुस्तैद है:** मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, 'हमारी प्राथमिकता ये है कि चुनाव से पहले सभी स्वीकृत सड़कों का कार्य प्रारंभ हो जाए। ताकि चुनाव के दौरान भी ग्रामीण सड़कों के विकास का काम प्रभावित न हो। इसके लिए विभाग पूरी तत्पर है। उन्होंने कहा, से काम कर रहा है। ग्रामीण कार्य विभाग की इन पहलों से यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ग्रामीण कनेक्टिविटी के मामले में देश में एक नई मिसाल कायम करने की ओर बढ़ रहा है। अब न केवल गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जा रहा है, बल्कि उनके रखरखाव और गुणवत्ता को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इस पहल को न यह सिर्फ सड़क निर्माण बल्कि एक नया बिहार गढ़ने की नींव के रूप में देखा जा रहा है।

### राजेश राम बोले- लिस्ट से नाम काटना अधिकार हनन, गाने के बोल-भाजपा के चाकर हो, सच में ईसीआई हो

**पटना।** बिहार में SIR को लेकर कांग्रेस ने एक कार्टून सॉन्ग लॉन्च किया है। इस गाने के जरिए कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन पर निशाना साधा। इस गाने के बोल 'भाजपा के चाकर हो, या सच में ECI हो' है। इस गाने के अंत में SIR को लेकर जनता की बात, उनकी सोच को भी दिखाया गया है। इसके साथ ही SIR को लेकर महागठबंधन की ओर से किए गए आंदोलन का भी जिक्र किया गया जिसमें राहुल गांधी मौजूद थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि वोटर लिस्ट से नाम काटना देश के नागरिकता पर सवाल है, संविधान में दिए उस अधिकार का हनन है जो एक नागरिक को मिलनी चाहिए। कहा कि मतदाता पुनरीक्षण में इलेक्शन कमीशन ने अब तक 52 लाख मतदाताओं का नाम काटने का काम किया है। यह निर्णय केंद्र में बैठे लोगों ने नोटबंदी, देशबंदी की तरह लिया है, लेकिन बिहार बदलाव की धरती रही है और यहां बच्चे होश संभालते ही राजनीति को अच्छे से समझते हैं। वे इस मामले का आने वाले समय में प्रतिकार करेंगे। वहीं, विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि इस वीडियो के माध्यम से आपको पता चल गया होगा कि बिहार में क्या चल रहा है।

## भारत–यूके व्यापार समझौते से बिहार में खुलेंगे रोजगार और निर्यात के द्वार : नीतीश मिश्रा

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के बीच हुए व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) को लेकर खुशी का इजहार किया है।उन्होंने इस समझौते को न केवल देश के लिए, बल्कि बिहार के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने शुक्रवार को कहा है कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में पहचान का द्योतक है। इस ऐतिहासिक समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत निर्यात को यूनाइटेड किंगडम में शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी। इससे खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, चमड़ा, आभूषण और खिलौना उद्योग जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहन मिलेगा, जो बिहार जैसे श्रम-प्रधान राज्यों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

उद्योग मंत्री ने कहा कि बिहार में उभरते हुए खाद्य प्रसंस्करण और कपड़ा क्षेत्र, महिला स्वयं सहायता समूहों और एमएसएमई को इस समझौते से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने का अभूतपूर्व अवसर मिलेगा। इससे युवाओं, उद्यमियों और स्थानीय कारीगरों के लिए नए रोजगार और निर्यात के द्वार खुलेंगे। नीतीश मिश्रा ने बताया कि इस समझौते के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, वित्त, इंजीनियरिंग और कंसल्टिंग जैसे सेवाओं के क्षेत्रों में भी भारत को बड़ा लाभ मिलने जा रहा है। साथ ही भारतीय पेशेवरों के लिए बीजा और प्रवेश प्रक्रियाएं आसान की गई हैं। डबल कॉन्ट्रिब्यूशन कन्वेंशन के लागू होने से भारतीय कामगारों और उनकी कंपनियों को तीन वर्षों तक सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में भारत और यूके के बीच 56 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है और इस समझौते के तहत 2030 तक इसे दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह विजन विकसित भारत के निर्माण और आत्मनिर्भर भारत के मार्ग को मज़बूत करेगा। बिहार को इससे व्यापक अवसर प्राप्त होंगे, जिनका उपयोग हम सबको मिलकर करना होगा।

## बालू कारोबारी हत्या मामले में फरार आरोपी ने किया सरेंडर

एजेंसी, पटना

♦ आर्म्स एक्ट मामले में भी फरार चल रहा था मंटू, मुख्य आरोपी अभी भी फरार

पटना में बालू कारोबारी रामाकांत यादव हत्याकांड मामले के आरोपी मंटू कुमार ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। मंटू, आर्म्स एक्ट मामले में भी फरार चल रहा था। इस मामले में पटना पश्चिम सिटी SP भानु प्रताप सिंह ने बताया कि रानीतालाब थाना कांड संख्या 277/25 और 280/25 मामले में आरोपी मंटू कुमार ने पुलिस दबिश के बाद कोर्ट में आत्मसमर्पण किया है। रानीतालाब थाना कांड संख्या 277/25 में धाना गांव निवासी बालू कारोबारी रामाकांत यादव की गोली मारकर हत्या हुई थी। मंटू कुमार इस हत्या मामले में अप्राथमिकी अभियुक्त है। साथ ही वह 280/25 में आर्म्स एक्ट मामले में प्राथमिक अभियुक्त है। वह दोनों मामलों में फरार चल रहा था।

**सुध और ब्याज को लेकर हुई थी हत्या:** रामाकांत यादव की हत्या के अगले दिन पुलिस कार्रवाई के दौरान धाना गांव निवासी रामकुमार यादव के घर से एक देशी कट्टा बरामद किया गया था। इस मामले में आरोपी मंटू कुमार के पिता राम कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस, कोर्ट के आदेश पर मंटू कुमार को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। रामाकांत यादव हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस इस मामले में जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगा रही है। जानकारी के अनुसार, रामाकांत यादव की हत्या पैसे के सुध और ब्याज को लेकर हुई थी। दरअसल, 10 जुलाई की शाम धाना गांव में रामाकांत यादव अपने घर के सामने बगीचे में टहल रहे थे। तभी अपराधी पैदल आते हैं और रामाकांत यादव पर फायरिंग कर देते हैं, जहां दो गोली उनके शरीर में लगती है एक छाती पर तो दूसरा बाह में जहां उनकी मौके पर ही मौत हो जाती है। इधर गांव में हत्या के बाद एक तरफ डर का माहौल भी बना हुआ है। हालांकि पुलिस के खुलासे पर मृतक के परिजनों को विश्वास नहीं है परिजनों के अनुसार घटना के पीछे का और कुछ कारण है, लेकिन पुलिस उसे बता नहीं रही है।

## धोखाधड़ी: पटना एसएसपी बनकर फ्रॉड, होटल मैनेजर-एचआर को थाने बुलाया

एजेंसी, पटना

♦ एसआई को कहा- जल्दी पहुंचो, फोर्स कम, तो पुलिस लाइन से मंगाओ, मैं एसटीएफ के साथ पहुंच रहा

पटना SSP कार्तिकेय के शर्मा के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक फ्रॉड ने गांधी मैदान की महिला दरोगा कविता रानी को पटना SSP के नाम से फोन कर हड़का दिया। उसने खुद को SSP बताते हुए थाना क्षेत्र के एग्जीबिशन रोड स्थिति एक होटल के मैनेजर और HR मैनेजर को पूछताछ के नाम पर थाने बुलवा लिया। फ्रॉड ने जब कॉल किया, उस वक्त महिला दरोगा गश्ती में थी। उसने दरोगा से कहा कि जल्दी CP पैलेस होटल पहुंचो और वहां से उसके मैनेजर को थाने पर लाओ। होटल मालिक से बात हुई है, वो भी आ रहा है। फोर्स कम पड़ जाए तो पुलिस लाइन से मंगा लो। मैं STF के साथ थाने पहुंच रहा हूं। यहीं बात फ्रॉड ने थाने के बेसिक नंबर पर भी फोन लगाकर कही। फिर क्या था, थाने के दूसरे पदाधिकारी और कर्मी भी मैनेजर को लाने के लिए भागे-भागे होटल पहुंच गए।

**कॉल बैक किया तो स्वीच ऑफ आया फोन:** होटल मैनेजर और HR मैनेजर के थाने पहुंचने के बाद गांधी मैदान थाने की पुलिस ने सिटी SP सेंट्रल दीक्षा और SDPO को भी कॉल कर इसकी सूचना दे दी। थाने पर पहुंचने के घंटों बाद भी SSP और STF के पदाधिकारी नहीं पहुंचे और पूछताछ नहीं हुई तो दरोगा और होटल के मैनेजर को फ्रॉड का शक हुआ। महिला दरोगा को जिस नंबर से कॉल आया था, उस नंबर पर दोबारा दरोगा और मैनेजर ने कॉल किया तो वो स्विच ऑफ आने लगा।

**कोलकाता में ट्रेस हुआ लोकेशन:** दरोगा को 6207577116 नंबर से कॉल आया था। पुलिस ने जब मोबाइल नंबर की जांच की तो पता चला कि मोहम्मद अमीर के नाम से सिम रजिस्टर्ड है। घटना के वक्त उसके मोबाइल नंबर का लोकेशन कोलकाता में पाया गया। इधर, गांधी मैदान थाना के एडिशनल SHO परितोष कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। SI कविता रानी के आवेदन पर प्राथमिकी हुई है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुटी है।

**एक शख्स गया से गिरफ्तार:** सूत्रों की माने तो पुलिस ने इस मामले में गया से विकास कुमार नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। इससे पहले भी गया में IG बनकर पदाधिकारियों को हड़का चुका है। विकास DSP की गाड़ी चलाता है।

## पटना एम्स डॉक्टर की मौत की जांच शुरू

एजेंसी, पटना

♦ फुलवारी शरीफ थानाध्यक्ष ने मेडिकल छात्रों और हॉस्टल वार्डन का लिया बयान, प्रिजर्व किया सामान

पटना AIIMS के डॉक्टर युजवेंद्र साहू की मौत की जांच अब फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम के हाथों में है। पहले इस मामले की जांच PSI मनीष कुमार कर रहे थे। थाना प्रभारी ने हॉस्टल के पांच मेडिकल छात्रों से पूछताछ की है। साथ ही हॉस्टल प्रभारी वार्डन संतोष कुमार से भी अकेले में पूछताछ करके उनके बयान दर्ज किए हैं। पुलिस इन बयानों को न्यायालय में प्रस्तुत करेगी। जांच की कमान संभालते ही थाना प्रभारी ने इसकी जांच शुरू कर दी है। इस मामले को लेकर फुलवारीशरीफ थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के बाद मौके पर पहुंची FSL टीम ने डॉक्टर के बिसरा, कपड़ा सहित कई सामानों को प्रिजर्व किया है।

**युजवेंद्र ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा:** घटना 19 जुलाई की है, जहां शनिवार सुबह डॉक्टर युजवेंद्र ने बेहोशी का इंजेक्शन ले लिया था। लगभग पांच घंटे बाद जब सूचना मिली, तब उन्हें इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉक्टर युजवेंद्र ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा था। AIIMS के रेजीडेंट डॉक्टर और मेडिकल छात्रों ने इस घटना को प्रशासन की लापरवाही से जोड़ा है।

## पटना में राजनीतिक पार्टियों का पेंटिंग-पोस्टर वॉर

एजेंसी, पटना

♦ तेजस्वी, नीतीश और मोदी के चेहरे पर पोस्टर चिपका रही है जन सुराज, निगम के नियमों की उड़ रही धज्जियां

विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही महीने बचे हैं। इससे पहले राजधानी पटना की दीवारें सियासी जंग के मैदान में तब्दील हो गई हैं। हर मोड़, फ्लाईओवर, चौक-चौराहे और अंडरपास पर अलग-अलग पार्टियों के डिजिटल वॉल पेंट किए जा रहे है। इस 'पोस्टर युद्ध' में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार में जुटे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि जहां स्पष्ट रूप से लिखा होता है "यहां पोस्टर लगाना मना है" वहां भी धड़ल्ले से राजनीतिक पोस्टर लगाए जा रहे हैं। यह खुलेआम नगर निगम के नियमों की अवहेलना है।

RJD की ओर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए जा रहे हैं जिन पर लिखा है "इस बार सही सरकार" और "मांगे बिहार तेजस्वी सरकार"। इन पोस्टरों में युवाओं और रोजगार पर फोकस किया गया है। वहीं दूसरी तरफ NDA की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की एक पोस्टर पर फोटो लगाई गई है। पोस्टरों पर लिखा है- "महिलाओं की जय-जयकार, फिर से NDA सरकार" और "लग रहे उद्योग मिल रहा रोजगार''।

## कैग रिपोर्ट में 70 हजार करोड़ का हिसाब नहीं, बजट का भी नहीं हुआ पूरा उपयोग, राबड़ी बोलीं- सरकार ने सिर्फ घोटाला ही किया

एजेंसी, पटना

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की ताजा ऑडिट रिपोर्ट ने बिहार प्रशासन की वित्तीय कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार करीब 70,877.61 करोड़ रुपये के खर्च का उपयोगिता प्रमाणपत्र (UC) दाखिल करने में नाकाम रही है। यह राशि विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए आवंटित की गई थी, लेकिन नियमानुसार इसके खर्च का विवरण अब तक जमा नहीं किया गया।

**कर्ज का बोझ और बढ़ा:** रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में राज्य की कुल देनदारियों में 12.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार का वित्तीय प्रबंधन कमजोर है और पारदर्शिता के दावों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

**सरकार ने सिर्फ घोटाला ही किया:** इसे लेकर पूर्व CM राबड़ी देवी ने कहा कि शुरू से सरकार ने सिर्फ घोटाला ही किया है। जब से नरेंद्र मोदी सरकार चला रहे हैं 2014 से तब से सिर्फ घोटाला कर रहे हैं। देश के सभी चीज को तो धीरे-धीरे करके बेच दिया है।

**49,649 UC अब तक पेंडिंग:** यह रिपोर्ट गुरुवार को बिहार विधानसभा में प्रस्तुत की गई। दस्तावेज में कहा गया है कि 31 मार्च 2024 तक महालेखाकार कार्यालय को कुल 49,649 UC पेंडिंग मिले। यह सरकारी नियमों का सीधा उल्लंघन है, क्योंकि किसी भी योजना के तहत आवंटित राशि के उपयोग का प्रमाण तय समय सीमा में देना जरूरी होता है।

**सालों पुरानी फाइलें अटकीं:** ऑडिट रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि 14,452.38 करोड़ रुपये की राशि तो 2016-17 या उससे पहले की है, जिसका खर्च का हिसाब आज तक नहीं दिया गया। यह दर्शाता है कि सरकारी महकमों में वित्तीय अनुशासन की भारी कमी है।

**बजट का भी नहीं हुआ पूरा उपयोग:** वित्त वर्ष 2023-24 में बिहार का कुल बजट अनुमान 3.26 लाख करोड़ रुपए था, लेकिन राज्य सरकार केवल 2.60 लाख करोड़ रुपए, यानी 79.92 प्रतिशत ही खर्च कर सकी। इसके अलावा, कुल 65,512.05 करोड़ रुपए की बचत में से सिर्फ 23,875.55 करोड़ (36.44 प्रतिशत) ही कोषागार में वापस किए गए।

# जिले के सदर पीएचसी से हुई कालाजार दवा छिड़काव अभियान की शुरुआत

## सोते समय मच्छड़दानी अवश्य लगाएं

## आसपास स्वच्छता जरूरी, बालू मक्खी के काटने से फैलता है कालाजारः डॉ. एस सी शर्मा

बीएनएम @ मोतिहारी।

कालाजार से प्रभावित जिले के विभिन्न प्रखंडों व गांवों में कालाजार उन्मूलन के लिए सिंथेटिक पायरोथायराइड कीटनाशक का छिडकाव मोतिहारी के सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से डीभीबीडीसीओ डॉ. शरत चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में आरंभ किया गया। इस संबंध में डॉ. शर्मा ने बताया कि अगले 60 दिनों तक कालाजार से बचाव को दल एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दवा का छिड़काव किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भीडीसीओ के द्वारा छिडकाव की निगरानी की जाएगी। मौके पर उपस्थित डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने कहा कि कालाजार से बचाव को छिड़काव बहुत जरूरी है। क्षेत्रों में लोगों को दवा छिड़काव कराने के साथ स्वच्छता के महत्व को समझाया जा रहा है।

### बालू मक्खी के काटने से कालाजार

डॉ. शर्मा ने कहा कि लोगों को कालाजार से बचाव की जानकारी देकर उन्हें घरों व आसपास के क्षेत्रों में दवा छिड़काव कराने के लिए समझाया जा रहा है। साथ ही लोगों को बताया जा रहा है कि सभी घरों में छिड़काव जरूरी है, बालू मक्खी के काटने से कालाजार की बीमारी होती है। इस लिए सोते समय मच्छरदानी का हमेशा प्रयोग करें। पानी जमा हुए स्थानों पर, कालाजार को फ़ैलाने वाले बालू मक्खी को रोकने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव बेहद जरूरी होता है। कालाजार रोग को समाप्त करने के लिए राज्य सरकार काफी गम्भीर है। इसके उन्मूलन के लिये सभी को आस पड़ोस के वातावरण को साफ सुथरा रखने, घरों की साफ सफ़ाई करने एवं मच्छरदानी का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।

### संक्रमित मरीजों को सरकार द्वारा 7100 रुपये की श्रम- क्षतिपूर्ति राशि दी जाती हैः

डॉ. शर्मा ने बताया कि यह रोग संक्रमित बालू मक्खी के काटने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी प्रवेश कर जाता है। दो सप्ताह से अधिक बुखार व अन्य विपरीत लक्षण शरीर में महसूस होने पर अविलंब जांच कराना चाहिए। डीभीडीसीओ ने बताया कि अगर किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से ज्यादा से बुखार हो, उसकी तिल्ली और जिगर बढ़ गया हो और उपचार से ठीक न हो तो उसे कालाजार हो सकता है। जांच व ईलाज सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध है। वहीं कालाजार मरीजों को सरकारी अस्पताल में इलाज के साथ संक्रमित मरीजों को सरकार द्वारा 7100 रुपये की श्रम-क्षतिपूर्ति राशि भी दी जाती है। भारत सरकार के द्वारा 500 एवं राज्य सरकार की ओर से 6600 सौ रुपये दी जाती है। वहीं पोस्ट कालाजार डर्मल लीशमैनियासिस (पीकेडीएल) कालाजार से पीड़ित मरीज को राज्य सरकार द्वारा 4000 रुपये की सहायता राशि श्रम क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जाती है

### छिड़काव के वक्त ध्यान में रखने वाली बातें

- घर की दीवारों में पड़ी दरारों को भर दें
- अच्छी तरह से घर की सफाई करें। खाने-पीने का सामान, बर्तन, दीवारों पर टंगे कैलेंडर आदि को बाहर निकाल दें।
- भारी सामानों को कमरे के मध्य भाग में एकत्रित कर दें और उसे ढक दें।
- रसोईघर, गौशाला सहित पूरे घर में पूरी दीवार पर दवा का छिड़काव कराएं। मौके पर सदर स्वास्थ्य केंद्र के प्रबंधक सन्ध्या कुमारी, विनोद राम, सोनू कुमार व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### शिव शिष्यों ने लिया 73 हजार पौधे लगाने का संकल्प

#### वृक्षारोपण सप्ताह के तहत रक्सौल अनुमंडल में लगाए गए सैकड़ों पौधे

मोतिहारी/रक्सौल। शिव शिष्य हरिंद्रानंद फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित वृक्षारोपण सप्ताह के पांचवें दिन रक्सौल अनुमंडल के विभिन्न गांवों में सैकड़ों पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज को वृक्षारोपण व संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत फाउंडेशन के वरिष्ठ शिव शिष्य मुन्ना जी द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि वरेण्य गुरुभाई श्री हरिंद्रानंद जी ने वर्ष 2010 में "सांसें हो रही हैं कम, आओ वृक्ष लगाएं हम" का संदेश दिया था, जिसे फाउंडेशन हर वर्ष दीदी माँ नीलम आनंद जी के अवहरण दिवस (जन्मदिवस) के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण अभियान के रूप में मनाता है। इस वर्ष दीदी माँ के 73वें अवहरण दिवस पर 73,000 पौधे लगाने का संकल्प हरिंद्रानंद जी के आप्त सचिव एवं मुख्य सलाहकार भैया श्री अचिंत आनंद जी के मार्गदर्शन में लिया गया है। इस अवसर पर लगभग 500 लोगों ने 27 जुलाई को कम-से-कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल का संकल्प लिया। यह शपथ दीदी माँ के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर ली गई, जिससे कार्यक्रम को आध्यात्मिक महत्व भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विजय शर्मा, मुन्ना जी, उमेश दास, विवेक कुमार, रामाधार राम, आशुतोष कुमार, प्रमोद प्रसाद, रमेश प्रसाद, सुरेश सहनी, सुधा ठाकुर, जानकी मिश्रा, ऊषा देवी, श्यामा शाही, अनु देवी सहित सैकड़ों शिव शिष्य, स्थानीय नागरिक, महिलाएं, युवा एवं बुजुर्ग श्रद्धा और उत्साह के साथ शामिल हुए।

### डॉ. एसकेएस महिला महाविद्यालय के नए प्राचार्य ने किया योगदान

मोतिहारी। शहर के डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में नए प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नलिन विलोचन ने शुक्रवार को अपना योगदान दिया। पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार ने उनका स्वागत शॉल और पुष्प गुच्छ से किया। इस अवसर पर डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने भी पूर्व प्राचार्य पंकज कुमार और वर्तमान प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नलिन विलोचन को पुष्प गुच्छ और शॉल देकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा महाविद्यालय को आप से बहुत आशा है। महाविद्यालय के कल्याण के लिए कार्य करेंगे। प्राचार्य ने योगदान करते हि कहा कि मैं पहले अपने शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से मीटिंग करूंगा और देखूंगा कि यहां समस्या क्या-क्या है? समस्या देखने के बाद ही महाविद्यालय के हित में कदम उठाऊंगा और महाविद्यालय में नैक कराना ही मेरा मुख्य उद्देश्य है। उक्त मौके पर महाविद्यालय के शिक्षिका में लेफ्टिनेंट डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. नीतू, डॉ. मो. इरशाद आलम, डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ. अपर्णा, कुमारी रंजना, डॉ. किरण कुमारी, शिवांगी सिंह, डॉ. अमित कुमार, डॉ. विपिन कुमार दुबे, डॉ.आकृति रानी, डॉ. ज्योति कुमारी, सोनी कुमारी, डॉ. नीतू कुमारी, डॉ.प्रीति राज वहीं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में लवली सिंह, विकास कुमार, भास्कर गुप्ता, अमन कुमार, प्रकाश कुमार पांडे, ज्ञान प्रकाश सोनी, निहाल कुमार, अमित कुमार, अभय कुमार मिश्र इत्यादि ने मिलकर वर्तमान प्राचार्य का स्वागत किया।

### बुनियादी सुविधाओं से वंचित है मेहसी रेलवे स्टेशन महिलाओं और यात्रियों को हो रही भारी परेशानी

मोतिहारी। जिले के मेहसी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी झेलनी पड़ रही है। प्लेटफार्म संख्या 1 और 2 पर अब तक शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है, जिससे खासतौर पर महिलाओं को अत्यंत असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति तब है जब देशभर में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक शौचालय निर्माण का दावा किया जा चुका है। स्टेशन की दयनीय स्थिति मेहसी रेलवे स्टेशन पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल अंतर्गत आता है। प्रतिदिन हजारों यात्री इस स्टेशन से यात्रा करते हैं, परंतु बुनियादी सुविधाओं के अभाव में उनका अनुभव अत्यंत कष्टकारी हो गया है। प्लेटफॉर्म नंबर दो पर पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे यात्रियों को भीषण गर्मी में प्यासा रहना पड़ता है। महिलाओं की गरिमा पर संकट है। शौचालय न होने से महिलाएँ प्लेटफार्म पर घंटों ट्रेन का इंतजार करते हुए मानसिक और शारीरिक तनाव में रहती हैं। यह स्थिति न सिर्फ असहज है, बल्कि उनकी सुरक्षा और गरिमा से भी जुड़ा हुआ मसला है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से रेलवे प्रशासन इस गंभीर समस्या पर मौन है, जबकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता भी सवालों के घेरे में है। नागरिकों द्वारा कई बार आवाज उठाए जाने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यात्रियों ने स्टेशन पर जल्द से जल्द शौचालय और पानी की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। जनप्रतिनिधियों और रेलवे अधिकारियों से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की जा रही है। स्थानीय युवाओं और सामाजिक संगठनों ने मिलकर आवाज बुलंद करने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

### एसएसबी ने सीमावर्ती क्षेत्र में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत स्कूली बच्चों को किया जागरूक

मोतिहारी। शुक्रवार को 71 वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी के सीमा चौकी "एफ" समवाय जमुनिया के कार्यक्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय जमुनिया में प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट के निर्देशन में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अन्तर्गत, मानव तस्करी के बारे में स्कूली छात्रों/छात्राओं को जागरूक किया गया जिसमें स्कूली बच्चे 40 एवं अध्यापक 5 तथा सशस्त्र सीमा बल के 6 सदस्यों ने भाग लिया। उक्त थीम के तहत बच्चों को मानव तस्करी का अर्थ तथा इसके प्रकार से कैसे बचा जा सकता है तथा अपने आस पड़ोस के बच्चों, महिलाओं एवं युवकों को कैसे बचाया जा सकता है। इसके बारे में जागरूक किया गया। उक्त थीम के तहत प्रश्नोत्तरी के दौरान श्रेष्ठ बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा देना है।

## रघुनाथपुर पुलिस ने शराब के साथ एक तस्कर को दबोचा, तीन फरार

बीएनएम @ तुरकौलिया।

स्थानीय थाना पुलिस ने देशी और विदेशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया तस्कर मजूराहा मांझी टोला निवासी रजनीश कुमार है, जबकि उसके तीन साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मजूराहा मांझी टोला गांव के झाड़ियों में छुपाकर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष अलका कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देखते ही तस्कर भागने लगे, लेकिन रजनीश कुमार को खदेड़कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने नेपाली कस्तूरी ब्रांड की 50 बोतलें, सौफी ब्रांड की 19 बोतलें तथा करीब 15 लीटर चुलाई शराब बरामद की। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

## सोमेश्वर प्लस टू विद्यालय में शिक्षकों को मिला प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण का प्रशिक्षण

बीएनएम @ अरेराज।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के तहत कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों में अनुभव-आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सोमेश्वर प्लस टू विद्यालय, अरेराज के सभागार में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण (Project-Based Learning – PBL) की अवधारणा से अवगत कराना और उसे प्रभावी ढंग से कक्षा में लागू करने के लिए प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला की शुरुआत प्रखंड तकनीकी टीम के सदस्य मिंटू कुमार मिश्रा ने की। उन्होंने PBL की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पद्धति छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान में संलग्न करती है। छात्र एक सप्ताह से लेकर पूरे सेमेस्टर तक किसी एक प्रोजेक्ट पर काम करते हैं, जिससे उनकी गहन समझ, रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमता का विकास होता है। तकनीकी टीम के सदस्य वसंत मणि ने बताया कि कक्षा 6 से 8 तक पढ़ाने वाले सभी विद्यालयों में विज्ञान और गणित की कक्षाओं को अनिवार्य रूप से PBL आधारित बनाना होगा। इसके प्रमाणस्वरूप विद्यालयों को साक्ष्य ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड भी करने होंगे। ब्रजभूषण तिवारी ने स्पष्ट किया कि जो विद्यालय PBL क्रियान्वयन में लापरवाही बरतेंगे, उनकी सूची तैयार कर जिला शिक्षा कार्यालय को भेजी जाएगी और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इसे विभाग की प्रतिबद्धता और गंभीरता का प्रतीक बताया। सतीश भारद्वाज ने प्रधानाध्यापकों की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि विद्यालयों में तकनीकी सहयोग सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी है, जिससे शिक्षकों को PBL की दिशा में कोई तकनीकी कठिनाई न हो। कार्यशाला के दौरान PBL से संबंधित एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें दीक्षा पोर्टल, MIP पूर्ण करना, साक्ष्य अपलोड करना, और विषय-आधारित प्रोजेक्ट कार्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यशाला में बेबी कुमारी, रंजन कुमार, सरिता मिश्रा, साक्षी कुमारी, गीता देवी, कुमारी ऋतंभरा, प्रिया सिंह, भारती आनंद, जीवन ज्योति सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागी शिक्षकों ने अपने शिक्षण कार्य में PBL को अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

## मुकेश पाठक की गिरफ्तारी से कांपा अपराध जगत, रंगदारी मांगने, जबरन जमीन कब्जाने और हत्या जैसे लगे हैं गंभीर आरोप

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिले के मेहसी पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है, जिसने न केवल अपराधियों की रीढ़ तोड़ दी है, बल्कि आम लोगों के मन में भी सुरक्षा और विश्वास की भावना को मजबूती दी है। उत्तर बिहार में आतंक का पर्याय बन चुके कुख्यात अपराधी मुकेश पाठक को मोतिहारी पुलिस ने एक सटीक और योजनाबद्ध अभियान के तहत गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देशन में की गई, जिसने पूरे इलाके में राहत की लहर दौड़ा दी है। मुकेश पाठक पर वर्षों से रंगदारी मांगने, जबरन जमीन कब्जाने और हत्या जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। उसके आपराधिक इतिहास से आम लोग दहशत में रहते थे। रणजीत कुमार नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मुकेश पाठक और उसके गुर्गों ने उसके भाई अर्जुन प्रसाद और भतीजे अभिषेक कुमार का खेसारी चौक स्थित सेंट्रल बैंक के सामने से अपहरण कर लिया और फिर अपने ठिकाने पर ले जाकर बेरहमी से पिटाई की। इस पूरी वारदात में इस्तेमाल की गई बोलेरो (रजिस्ट्रेशन नंबर BR055A5711) भी पुलिस ने बरामद कर ली है, जो इस केस में महत्वपूर्ण सबूत साबित हो सकती है। इस गिरफ्तारी में मुकेश पाठक के दो अन्य सहयोगी भी पकड़े गए हैं। अविनाश गिरी (29 वर्ष, रजुआ बखरी, मेहसी) और धीरज कुमार यादव (28 वर्ष, मंझन छपरा, मेहसी)। दोनों लंबे समय से इस गैंग के सक्रिय सदस्य बताए जाते हैं। कार्रवाई को चकिया डीएसपी संतोष कुमार के नेतृत्व में अंजाम दिया गया, जिन्होंने वरीय अधिकारियों के

आदेश पर एक विशेष टीम गठित की थी। यह पूरी कार्रवाई मेहसी थाना कांड संख्या 212/25, दिनांक 24.07.25 के तहत की गई। मुकेश पाठक का आपराधिक सफर बेहद खूनी और चौंकाने वाला रहा है। उसका नाम पहली बार उस समय सुर्खियों में आया जब उसने अपने साथी संतोष पाठक के साथ मिलकर दरभंगा में एक इंजीनियर की हत्या की। लेकिन पैसों के बंटवारे को लेकर दोनों के बीच दरार आई और अंततः मुकेश ने अपने ही साथी संतोष की हत्या कर दी। इसके बाद वह खुद को उत्तर बिहार के अपराध जगत का नया बादशाह घोषित करता रहा और भय का साम्राज्य फैलाता गया। मुकेश पाठक के खिलाफ पूर्वी चंपारण, दरभंगा, सीतामढ़ी, शिवहर और गोपालगंज समेत कई जिलों के थानों में हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, जेल से फरारी और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। मेहसी थाना में वर्ष 2010 में दर्ज कांड संख्या 131/10 में हत्या और आर्म्स एक्ट का आरोप है। इसी थाना में 2003 में कांड संख्या 34/03 में भी हत्या और आपराधिक साजिश की एफआईआर है। कल्याणपुर थाना में वर्ष 2011 का रंगदारी कांड (संख्या 107/11), बहेड़ी थाना (दरभंगा) में 2015 में हत्या और रंगदारी (कांड संख्या 270/15), तथा शिवहर थाना में जेल से फरार होने से संबंधित कांड संख्या 150/15 उसके क्रिमिनल रिकॉर्ड में दर्ज हैं। मुकेश पाठक की गिरफ्तारी से पूर्वी चंपारण और पूरे उत्तर बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर एक नई उम्मीद जगी है। पुलिस इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक बड़ी सफलता मान रही है। लोगों का विश्वास पुलिस पर और मजबूत हुआ है और वे अब खुद को ज्यादा सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की इस रणनीतिक कार्रवाई ने न केवल अपराधियों के हौसले तोड़े हैं, बल्कि बाकी अपराधियों को भी स्पष्ट संदेश दिया है कि अब अपराध और कानून का खेल एक साथ नहीं चल पाएगा। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में इस गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उत्तर बिहार को एक बार फिर भयमुक्त बनाया जा सकेगा।

## मोनी झा ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से शिवभक्तों को झूमने पर किया मजबूर

बीएनएम @ मोतिहारी।

सीतामढ़ी की बेटी मोनी झा ने परम पवित्र सावन मास में पर्यटन मंत्रालय, बिहार सरकार व जिला प्रशासन, बांका के सौजन्य से आयोजित 'श्रावणी मेला-2025' में 24 जुलाई को अबरखा में ऐसी मनमोहक प्रस्तुति दी कि कांवड़िया मदमस्त होकर खूब झूमे,नाचे व गाए। 'बाबा लेने चलियौ हमरो अपन नगरी' ; 'भोला के देखेला बेकल भइल जियरा'; 'बाबा यौ डमरू कियैक बजेलियै, हम तँ अबिते छलियै ना' ; 'जटाधारी बन के, त्रिपुरारी बन के चले आना' व 'झूम रहा कैलाश भोले जी की भक्ति में' जैसे शिव भजनों के माध्यम से मोनी झा ने मैथिली, भोजपुरी व हिन्दी भजनों से शिवभक्तों को मंत्रमुग्ध किया।

## पताही में सब्जी उत्पादक समिति अध्यक्ष पद पर रूबी देवी निर्विरोध निर्वाचित

बीएनएम @ पताही।

पताही प्रखंड की प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहयोग समिति के अध्यक्ष पद पर पदुमकेर गांव निवासी रूबी देवी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। बीडीओ सम्राट जीत ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान अध्यक्ष पद के लिए केवल रूबी देवी, पत्नी अरविंद सिंह, द्वारा ही आवेदन दाखिल किया गया था। वैध पाए जाने पर उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर बीडीओ ने समिति के अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों को भी प्रमाण पत्र वितरित किया। इनमें उपाध्यक्ष रमाकांत सिंह, सचिव सुकन राम, तथा प्रबंध समिति के सदस्य सविता देवी, शोभा देवी, कांति देवी, विश्वनाथ गिरी, लालबाबू ठाकुर, लालबाबू प्रसाद, भागीरथ गिरी, नंद महतो और अशोक पासवान शामिल हैं। रूबी देवी के निर्विरोध निर्वाचन पर पदुमकेर पंचायत के ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने खुशी जाहिर की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रमाण पत्र वितरण समारोह में प्रखंड मुख्यालय परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### भैंस चोरी मामले में एक और अभियुक्त गिरफ्तार, शराब पीकर हंगामा कर रहे युवक को भी पकड़ा

**तुरकौलिया**। एक सप्ताह पूर्व हुई भैंस चोरी मामले में फरार चल रहे अभियुक्त तबरेज अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह माधोपुर मधुमालत का निवासी है और चोरी के बाद से फरार था। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि इस मामले में पहले ही तीन चोरों को एक चोरी की भैंस के साथ खगनी परती से गिरफ्तार किया जा चुका है। उनके पास से एक अपाची बाइक, मोबाइल फोन और 6000 नकद भी बरामद किया गया था। पूछताछ में गिरफ्तार चोरों ने बताया था कि भैंस सुगौली के छपरा बहास से चोरी की गई थी और उसे तबरेज अंसारी के पास पहुंचाना था। इसी सिलसिले में तबरेज की गिरफ्तारी की गई। मामले में अभी भी एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

**शराब पीकर उत्पात मचाने वाला गिरफ्तार**– इधर, तुरकौलिया चौक से एक शराबी युवक को गिरफ्तार किया गया है, जो शराब के नशे में हंगामा कर रहा था। उसकी पहचान आयुष कुमार, निवासी मोहब्बत छपरा, के रूप में हुई है। मेडिकल जांच में उसके शराब पीने की पुष्टि हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

### पूर्व विधायक ने किया आरा मील का किया उद्घाटन

**बीएनएम@केसरिया**। प्रखंड क्षेत्र में नयागांव पानशाला चौक के समीप शुक्रवार को यादव आरा मील का शुभारंभ हुआ।उद्घाटन पूर्व विधायक डॉ राजेश कुमार ने किया। इस अवसर पर उन्होनें कहा कि इस आरा मिल के खुल जाने से क्षेत्र के फर्नीचर कारोबार से जुड़े लोगों को काफी सहूलियत होगी। क्षेत्र के ऐसे लोगों को अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। मौके रामबाबू यादव, प्रमोद यादव, मो असलम, डॉ दीपक कुमार, अक्षय कुमार यादव, ब्रजेश कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

### नवनिर्वाचित पंच के पुत्र के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

#### पंच पिता की जगह पुत्र के शपथ लेने का मामला

**बीएनएम@केसरिया**। पंचायत उपचुनाव में नवनिर्वाचित पंच पिता की जगह पुत्र के पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उक्त प्राथमिकी बीडीओ कुमुद कुमार ने पंच शैलेन्द्र महतो के पुत्र मुन्ना कुमार के विरुद्ध दर्ज कराया है। पंचायत उपचुनाव में मुन्ना के पिता शैलेन्द्र महतो लोहरगांवा ग्राम कचहरी के वार्ड संख्या दो से पंच पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए थे। गुरुवार को नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शपथ दिलाई गई। इसमें मुन्ना अपने पिता की जगह शामिल होकर शपथग्रहण किया। इस बात की भनक बीडीओ को लगी। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के विरुद्ध केसरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। उल्लेखनीय है कि मुन्ना के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने व वेंडर से 50 हजार रुपया रंगदारी मांगने के आरोप में 19 जुलाई को केसरिया थाना में एफआईआर दर्ज किया गया है।

### कोचिंग संस्थान का शुभारंभ

**बीएनएम@केसरिया**। प्रखंड क्षेत्र के ताजपुर मोड़ के समीप शुक्रवार को चम्पारण रोजगार एकेडमी नामक कोचिंग संस्थान का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन संस्थान के निदेशक के सिंह ने फीता काटकर किया। उन्होंने बताया कि इस संस्थान में रेलवे, एसएससी जीडी, बिहार पुलिस सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। साथ हीं फिजिकल तैयारी की भी व्यवस्था की गई है। मौके पर डॉ राकेश कुमार, राजेन्द्र सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक पीताम्बर राम, विनय कुमार सिंह, रवि सिंह, अजीत साह, अरविंद सिंह, गौतम सिंह, रवीश कुमार, प्रिंस कुमार, अमन कुमार, सूरज सिंह बिक्कू, रोहन कुमार, हिमांशु, बिट्टू , मनीष पासवान समेत कई लोग उपस्थित थे।

### मदारी समुदाय के लोगों के नाम हटाने की प्रक्रिया पर तत्काल लगे रोक

**आरा**। भाकपा माले के जिला सचिव कामरेड जवाहरलाल सिंह ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर एक अत्यंत चिंताजनक और असंवैधानिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिसमें नागरिकों को गैर नागरिक घोषित कर वोटर लिस्ट से बाहर करने की साजिश की जा रही है। ताजा मामला पीरो में तरारी विधानसभा क्षेत्र का है, जहां मदारी समुदाय के लगभग 50 लोगों को मतदाता सूची से हटाने की तैयारी की जा रही है। ये सभी लोग मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं और वर्षों से यहीं रह रहे हैं, मतदान करते आए हैं, उनके नाम पूर्ववर्ती मतदाता सूचियों में भी दर्ज रहे हैं। जवाहरलाल सिंह ने बताया कि संबंधित बीएलओ ने सभी परिवारों के लिए गणना फॉर्म भर दिए थे। लेकिन अब ईआरओ द्वारा कहा जा रहा है कि ये सब बांग्लादेशी हैं, इनका फॉर्म क्यों भरा जा रहा है? यह न केवल सांप्रदायिक और पक्षपातपूर्ण मानसिकता को दर्शाता है, बल्कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का भी खुला उल्लंघन है। भाकपा-माले ने इस मुद्दे को लेकर चुनाव आयोग को पत्र भेजा है और मांग की है कि इस प्रकार की असंवैधानिक और भेदभावपूर्ण कार्रवाइयों पर अविलंब रोक लगाई जाए। जवाहरलाल सिंह ने सवाल उठाया कि यदि वर्षों से भारत में रह रहे एक समुदाय को बिना किसी वैध प्रमाण के बांग्लादेशी बताकर वोटर लिस्ट से बाहर किया जा सकता है, तो यह सीधा मतदान के अधिकार पर हमला है। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नागरिकों को मुख्यधारा में जोड़ने की होनी चाहिए, न कि उन्हें नागरिकता से वंचित करने की।

### नई शिक्षा नीति, समाज के हाशिए पर खड़े तबकों को शिक्षा से वंचित कर दिया : सांसद

**आरा**। लोकसभा के पावसकालीन सत्र में सांसद सुदामा प्रसाद ने नई शिक्षा नीति 2020 का मुद्दा उठाया। जिसमे उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 ने भारत में सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित शिक्षा व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। सरकार द्वारा सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और स्कूलों को बंद कर निजी निवेश और कॉर्पोरेट मॉडल पर आधारित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने के चलते समाज के हाशिए पर खड़े तबकों को शिक्षा से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी शासन में पूरे देश में लगभग 90,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। कहीं बच्चों की संख्या कम दिखाकर, कहीं शिक्षकों की कमी बताकर, तो कहीं वित्तीय संसाधनों की कमी का बहाना बनाकर ये स्कूल बंद किए गए। उन्होंने कहा कि यह कदम साफ़ तौर पर भूमिहीन, गरीब किसानों, रिक्शा, टमटम, ठेला चलाने वालों, फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों और निर्माण मजदूरों जैसे मेहनतकश तबकों के बच्चों को शिक्षा से दूर करने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। सरकार की मंशा यही लगती है कि इन बच्चों को शिक्षा से वंचित कर धार्मिक गतिविधियों में औजार की तरह इस्तेमाल किया जा सके, जैसे कमरिया नाचने वाले लड़कों की तरह। एक संगठित तरीके से शिक्षा का ढांचा तोड़कर पूरे देश में अंधश्रद्धा, सांप्रदायिकता और सामाजिक विभाजन का माहौल बनाया जा रहा है।

# बखरी में गौ-वंश के लिए लंपी रोग रोधी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

## विधायक सूर्यकांत पासवान ने की शुरुआत

**बीएनएम @ बखरी**

15 जुलाई गौ-वंश को लंपी स्किन डिजीज गांठदार त्वचा रोग से बचाने के लिए बखरी प्रखंड में 15 जुलाई से विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्घाटन बखरी के विधायक श्री सूर्यकांत पासवान ने किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों और पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान क्षेत्र की पशुधन सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह निःशुल्क टीकाकरण अभियान 30 जुलाई तक चलेगा, जिसमें बखरी क्षेत्र की सभी गायों को लंपी रोग से सुरक्षा प्रदान करने के लिए टीके लगाए जाएंगे। विधायक श्री पासवान ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र का कोई भी गांव या पशुपालक इस अभियान से वंचित न रह जाए। लंपी स्किन डिजीज क्या है? लंपी रोग एक विषाणु जनित संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से मवेशियों को प्रभावित करती है। इसके लक्षणों में त्वचा पर गांठें बनना, तेज बुखार जो 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है , दूध उत्पादन में गिरावट और कमजोरी शामिल हैं। यह रोग पशुओं की जान तक ले सकता है यदि समय रहते रोकथाम न की जाए।

टीकाकरण ही है एकमात्र उपाय पशु चिकित्सक डॉ. पीयूष कुमार ने जानकारी दी कि लंपी रोग से बचाव के लिए टीकाकरण ही एकमात्र प्रभावी उपाय है। उन्होंने पशुपालकों से अपील की कि वे अपने मवेशियों का समय पर टीकाकरण कराएं और किसी भी प्रकार की लक्षण दिखने पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, पशुपालक, पंचायत प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। क्षेत्रवासियों ने इस पहल का स्वागत किया और विधायक द्वारा शुरू किए गए इस अभियान की सराहना की। लंपी रोग के लक्षण दिखें तो तुरंत टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल करें।

# कटहा पंचायत में भीषण अग्निकांड

**बीएनएम @ मोतिहारी**

जिले के मेहसी थाना क्षेत्र के कटहा पंचायत स्थित वार्ड 14 में शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने चार घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की शुरुआत उमेश राय के घर से हुई, जो शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने राजदेव राय, भागेश्वर राय और जगत राय के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। चारों घर पूरी तरह जलकर राख हो गए, जिससे लाखों रुपये की संपत्ति- अनाज, कपड़े, फर्नीचर, नकदी और जरूरी कागजात- नष्ट हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए पाइप, बाल्टी और अन्य साधनों से आग बुझाने की कोशिश की। फायर ब्रिगेड को तुरंत सूचना दी गई और समय पर पहुंचने से आग को और फैलने से रोका जा सका। सौभाग्यवश कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पीड़ित परिवारों का सब कुछ जलकर खाक हो गया। अब वे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। पीड़ितों को तत्काल राहत सामग्री और अस्थायी आवास उपलब्ध कराया जाए, मुआवजा और पुनर्वास की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए, बिजली व्यवस्था की जांच कर भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के उपाय किए जाएं आदि की मांग किया है।

### पूर्वी चम्पारण जिले में शिक्षा विभाग द्वारा सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए चल रहे हैं सैकड़ों गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय

**बीएनएम @ मोतिहारी**

♦ जिला शिक्षा पदाधिकारी जानकर भी बने हुए हैं अनजान

पूर्वी चम्पारण जिले के शिक्षा विभाग में खूब चल रहा है आंख मिचौली का खेल। यहां शिक्षा विभाग के पदाधिकारी के मिलीभगत से सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए सैकड़ों गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय चल रहें हैं और लोगों का खूब शोषण हो रहा है।

माना तो यह जा रहा है कि मान्यता न लेने पर सरकार द्वारा जुर्माने का प्रावधान है बावजूद इसके सरकार के नियमों की अवहेलना करते हुए शहर, प्रखण्ड व गांव में धडल्ले से निर्भिक होकर नीजी विद्यालय संचालित हो रहें हैं। पूर्व एसीएस के के पाठक द्वारा 2021 में ई-संबंधन पोर्टल के माध्यम से सभी नीजी विद्यालयों को मान्यता के लिए आवेदन देना था, जिसके तहत जागरूक विद्यालय संचालक मान्यता लिया। जिन संचालकों ने मान्यता नही लिया वे लोग यह कहकर निश्चिन्त रुप से अपना काम चला रहे हैं कि इससे कुछ नही होगा? इसका सीधा मतलब कि इस पूरे प्रकरण में शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों व अधिकारियों की सहभागिता है। इस पूरे प्रकरण की गहनता से जांच करायी जाय तो दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जायेगा। बताया तो यह भी जा रहा है कि नीजी विद्यालय के सर्टिफिकेट की मान्यता सरकारी स्कूल वाले नही दे रहे हैं। जिससे नीजी विद्यालयों की काफी क्षति हो रही है और सरकारी स्कूल से अभिभावक सर्टिफिकेट लेने जा रहे हैं तो प्रधानाध्यापक द्वारा मोटी रकम नजराना वसूली जा रही है।

# जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 70 आवेदन प्राप्त हुए

**बीएनएम @ मोतिहारी**

समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 70 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता पूर्वी चंपारण मोतिहारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी गण के द्वारा सुनवाई की गई । प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता श्री मुकेश कुमार सिंहा ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। आज भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया।

आज के जनता के दरबार कार्यक्रम मे एडीएम pgro शैलेंद्र भारती, यशवंत कुमार, विकास कुमार, मंगला कुमारी, निधि कुमारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

# जीवन बीमा अभिकर्ता सम्मेलन हुआ सम्पन्नः अनिल वर्मा

**बीएनएम @ मोतीहारी**

महात्मा गांधी प्रेक्षागृह मे भारतीय जीवन बीमा निगम के विजेता अभिकर्ताओं का भव्य सम्मेलन का आयोजन हुआ।। मुजफ्फरपुर मंडल के करीब 1600 अभिकर्ता शामिल हुए।। मुख्य अतिथि के रूप में मुजफ्फरपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक दीपक कुमार थे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे मुजफ्फरपुर मंडल के विपणन प्रबंधक अमर कुमार थे।। स्वागत भाषण मोतिहारी के मुख्य प्रबंधक संगम लाल ने दिया एवं शानदार मंच संचालन अनिल वर्मा ने किया।। मुख्य वक्ता के रूप मे मोटिवेटर एवं ट्रेनर पंजाब सिंह थे। कार्यक्रम की शुरुआत सुपर डांस एकेडमी के बच्चों द्वारा गणेश वन्दना एवं शिव तांडव नृत्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभिकर्ताओं को सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी विकास अधिकारी अनिल वर्मा ने दी।

# नावकोठी में जातिसूचक गाली-गलौज व मारपीट, युवक गंभीर रूप से जख्मी

## सोने की चकती लूटकर फरार, तीन नामजद के खिलाफ मामला दर्ज

**बीएनएम @ बेगूसराय**

बेगूसराय जिले के नावकोठी. थाने के पहसारा में मामूली विवाद में हुई मारपीट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया. इसका इलाज पीएचसी नावकोठी में किया गया. जख्मी राम प्रवेश पासवान का पुत्र संतोष कुमार है.उसने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराकर गाँव के ही बादल कुमार, बोला कुमार एवं अन्य पर घर में घुसकर जातिसूचक शब्द का प्रयोग करने, मार पीटकर जख्मी कर देने तथा गले से सोने का चकती छीनकर फरार हो जाने का आरोप लगाकर नामजद किया है.उसने बताया कि गुरूवार की संध्या मजदूरी कर घर वापस आ रहा था.गाँव में ही अशोक साह मिस्त्री के घर के निकट मेरी साइकिल छीन कर गड्ढे में फेंक दिया. इसकी शिकायत बादल के पिता पंकज सिंह से की.देर शाम अपने साथियों के साथ मेरे घर पर आकर जातिसूचक शब्द का प्रयोग करते हुए गाली गलौज करने लगा. इसका विरोध मेरी माँ कौशल्या देवी, पिता राम प्रवेश पासवान ने किया तो उनके साथ भी मारपीट किया.पिस्तौल की बट से सिर पर वार कर जख्मी कर दिया तथा गले से सोने का चकती छीनकर फरार हो गया.112 पुलिस टीम को फोन किया.टीम के पुलिस पदाधिकारी पीएचसी नावकोठी लाकर इलाज कराया.थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने मामला दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई शुरू कर दिया है.

# एसपी ने सुनी आमजनों की फरियाद

## ....जनता दरबार में पहुंचे दर्जन फरियादी ,कई मामले का ऑन द स्पोर्ट निस्तारण

**बीएनएम @ बगहा**

बगहा पुलिस मुख्यालय के विभागीय निर्देश के आलोक में आम जनता को विभिन्न कांडों से संबंधित पुलिसिंग कार्यों का सख्ती के साथ स समय निष्पादन किया जा रहा है . ताकि कांडों का समय से निष्पादन किया जा सके . इसी क्रम में बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार लगा कर फरियादियों का विभिन्न वादों का जांच पड़ताल कर निष्पादन के दिशा में पहल की जा रही है .ताकि समय से उन्हें न्याय मिल सके . इसी क्रम में एसपी ने कार्यालय में जनता दरबार लगाया गया जिसमे विभिन्न थाना क्षेत्रों से दर्जनों फरियादी अपनी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे थे.और एक एक फरियादी अपनी मामले से संबंधित आवेदन देकर अपनी फरियाद की व्यथा एसपी को सुनाया . जिसको एसपी ने गंभीरता से लेते हुए विभिन्न वादों की जांच करते हुए उनकी फरियाद सुनी और कई फरियादियों का कागजात दुरुस्त रहने एवं मामला सत्य पाए जाने पर ऑन द स्पोर्ट निस्तारण किया साथ ही अन्य मामलों की सुनवाई एवं जांच के लिए संबंधित थानाध्यक्ष व केस के अनुसंधानकर्ता को निर्देश देते हुए जांच कर कार्यवाई करने का निर्देश दिया . फरियादियों से एसपी ने कहा कि पुलिस आपकी मित्र है . अपनी समस्याओ को बेहिचक कहें .बगहा पुलिस सदैव आपकी सेवा में तत्पर है . एसपी ने जन-सुनवाई के दौरान आम जनता की विभिन्न समस्याओं की सुनवाई करते हुए, संबंधित थानाध्यक्षों को आवश्यक कार्रवाई करने का दिशा-निर्देश भी दिया .

### अलीशा श्रृंगार हाउस का भव्य उद्घाटन, नगर पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद साबिर ने किया

**बीएनएम @सुगौली पू0च0**

सुगौली बाजार के धान गोला में आज एक नई शुरुआत का गवाह बना "अलीशा श्रृंगार हाउस" जिसका उद्घाटन नगर पार्षद प्रतिनिधि सह बीस सूत्री सदस्य मोहम्मद साबिर के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। स्थानीय जनता में इस शॉप के खुलने को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। जिसमें वह आसानी से खरीदारी कर पाएंगे।

इस मौके पर दुकान के प्रोपराइटर मोहम्मद साहिल की मेजबानी में कई गणमान्य एवं सामाजिक चेहरे उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से सामाजिक कार्यकर्ता राजू सिंह, शाहबाज, रोशन, इकबाल अहमद, सोहेल आलम, मुन्ना मियां, परवेज, परवेज आलम और मंथन मियां शामिल थे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना की और मोहम्मद साहिल को उनके नए व्यावसायिक प्रयास के लिए शुभकामनाएं दीं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह दुकान न सिर्फ व्यवसायिक दृष्टिकोण से क्षेत्र को लाभ देगी, बल्कि युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित भी करेगी।

# शक की गुंजाइशें कम नहीं

**चुनाव आयोग ने पूरे देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। कुछ विपक्षी दलों व अन्य लोगों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। हालांकि जुलाई के अंत तक निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम फैसला लेने की भी चर्चा है। अधिकांश राज्यों में 2002 से 2004 के दौरान मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया गया था। आयोग की बेवसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में उपलब्ध सूची 2008 की है, जबकि उत्तराखंड में आखरी गहन पुनरीक्षण 2006 में होने की सूचना है। अवैध विदेशी प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने के विवाद के बाद बिहार में यह बहस गरम हुई। इसी वर्ष बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में भी अगले वर्ष होंगे। बूथ स्तर के कर्मचारियों का आरोप है कि घर-घर जाकर की गई जांच में बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश व म्यामांर के अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में मिले। इस सारी कवायद पर संदेह व्यक्त करने वालों के अनुसार चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं। साठ फीसद से भी कम नागरिकों के पास पक्का मकान है, केवल 14त्न वयस्क दसवीं तक पढ़े हैं। सवाल है, बड़ी संख्या में बिहारी मजदूर रोजगार के सिलसिले में अन्य राज्यों में जा चुके हैं, उनका नाम इस सूची में शामिल करने का जिम्मा कौन लेगा। हाशिए पर खड़े लोग, दलितों, वंचितों व गरीबी रेखा के नीचे गुजार करने वालों से दस्तावेजों की सूची मांगना गैरवाजिब है। उस पर भी जिनके नाम पहले ही मतदाता सूची में मौजूद हैं और वे तीन-चार बार अपना मत प्रयोग कर चुके हैं। हैरत है कि इतने व्यापक स्तर पर बनाए गए आधार कार्ड पर सरकार और उसका समूचा तंत्र विश्वास क्यों नहीं कर पाता। सबके लिए एक सामूहिक व्यवस्था क्यों नहीं दी जाती। देश के हर नागरिक के लिए एकमात्र परिचय पत्र की व्यवस्था हो, जिसके मार्फत समूची जनसंख्या का सटीक अंदाजा भी हो और वही नागकिता की पहचान बने। उसी को मतदानपत्र, लाइसेंस, पैन, बैंक अकाउंट आदि से जोड़ा जाए।**

# आइए मनाएं कारगिल विजय दिवस

योगेश कुमार गोयल

इस साल 26 जुलाई को देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाएगा। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ यह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई की तारीख को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तान के सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन विजय के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था। कारगिल युद्ध की शुरुआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय की शुरुआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तान की सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ। भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस




अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ। बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, 'ये दिल मांगे मोर' तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

# पारिस्थितिक और मानवीय आपदा ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना

विनीत नारायण

ग्रेट निकोबार द्वीप, जो भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है, अपनी अनूठी जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। यह द्वीप भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु, इंदिरा प्वॉइंट, होने के साथ-साथ यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व भी है। कुछ समय पहले नीति आयोग द्वारा प्रस्तावित 72,000 करोड़ की ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना ने इस क्षेत्र को वैश्विक व्यापार, पर्यटन और सामरिक महत्त्व का केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इस परियोजना में एक अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, एक टाउनशिप और एक गैस और सौर ऊर्जा आधारित पावर प्लांट का निर्माण शामिल है। इस परियोजना को लेकर पर्यावरणविद्, आदिवासी अधिकार कार्यकर्ताओं और विपक्षी दलों ने गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को नीति आयोग ने 2021 में शुरू किया था, जिसका उद्देश्य इस द्वीप को एक आर्थिक और सामरिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। यह द्वीप मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित है, जो विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मागरे में से एक है। परियोजना के तहत 16,610 हेक्टेयर भूमि का उपयोग किया जाएगा जिसमें से 130.75 वर्ग किमी. प्राचीन वन क्षेत्र शामिल है। इस परियोजना को राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति के तहत महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों ने इसे विवादों के केंद्र में ला खड़ा किया है। ग्रेट निकोबार द्वीप 1989 में बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया गया था और 2013 में यूनेस्को के मैन एंड बायोस्फीयर प्रोग्राम में शामिल किया गया। यह द्वीप 1,767 प्रजातियों के साथ एक समृद्ध जैव विविधता का घर है, जिसमें 11 स्तनधारी, 32 पक्षी, 7 सरीसृप और 4 उभयचर प्रजातियां शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में स्थानिक हैं। परियोजना के लिए लगभग 9.6 लाख से 10 लाख पेड़ों की कटाई की जाएगी जो द्वीप के प्राचीन वष्रा वनों को अपूरणीय क्षति पहुंचाएगी। यह न केवल स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को प्रभावित करेगा, बल्कि प्रवाल भित्तियों (कोरल रीफ्स) और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को भी नुकसान पहुंचाएगा। गलाथिया खाड़ी, जहां ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल प्रस्तावित है, लेदरबैक कछुओं और निकोबार मेगापोड पक्षियों का प्रमुख प्रजनन स्थल है। 2021 में गलाथिया खाड़ी वन्य जीव अभयारण्य को डिनोटिफाई कर दिया गया जो भारत की राष्ट्रीय समुद्री कछुआ संरक्षण योजना (2021) के विपरीत है। यह कछुओं और अन्य समुद्री प्रजातियों के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है क्योंकि बंदरगाह निर्माण से होने वाला प्रदूषण, ड्रेजिंग, और जहाजों की आवाजाही उनके प्रजनन और अस्तित्व को प्रभावित करेगी। द्वीप पर शोम्पेन और निकोबारी आदिवासी समुदाय रहते हैं, जो विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (घ्व्च्र्क्र) के रूप में वर्गीकृत हैं। ये समुदाय अपनी आजीविका और संस्कृति के लिए जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। परियोजना से इनके पारंपरिक क्षेत्रों का 10त्न हिस्सा प्रभावित होगा जिससे उनकी सामाजिक संरचना और जीविका पर खतरा मंडराएगा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बाहरी लोगों के संपर्क से इन जनजातियों में रोगों का खतरा बढ़ सकता है, जिससे उनकी आबादी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच सकती है। ग्रेट निकोबार द्वीप



अंडमान-सुमात्रा फॉल्ट लाइन पर स्थित है, जो भूकंप और सुनामी के लिए अत्यधिक संवेदनशील है। 2004 की सुनामी ने इस क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचाया था। पर्यावरण प्रभाव आकलन में भूकंपीय जोखिमों को कम करके आंका गया है, और विशेषज्ञों का कहना है कि परियोजना के लिए साइट-विशिष्ट भूकंपीय अध्ययन नहीं किए गए। यह एक बड़े पैमाने पर आपदा का कारण बन सकता है। परियोजना के लिए काटे गए जंगलों की भरपाई के लिए हरियाणा और मध्य प्रदेश में प्रतिपूरक वनीकरण का प्रस्ताव है। लेकिन ये क्षेत्र निकोबार की जैव विविधता से कोई समानता नहीं रखते। यह पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने में असमर्थ है। पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया और मूल्यांकन दस्तावेज को राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर गोपनीय रखा गया है। विशेषज्ञों का तर्क है कि केवल हवाई अड्डे का सामरिक महत्त्व हो सकता है, न कि पूरी परियोजना का। पारदर्शिता की यह कमी परियोजना की वैधता पर सवाल उठाती है। विपक्षी दलों, विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, ने परियोजना को 'पारिस्थितिक और मानवीय आपदा करार दिया है। पर्यावरणविद् और नागरिक समाज संगठनों ने इसे जैव-विविधता और आदिवासी अधिकारों के लिए खतरा बताया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 2023 में परियोजना की पर्यावरण और वन मंजूरी की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की थी, लेकिन इसके बावजूद परियोजना को आगे बढ़ाने में जल्दबाजी दिखाई दे रही है। ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पारदर्शी और व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन, आदिवासी समुदायों के साथ उचित परामर्श और भूकंपीय जोखिमों का सटीक मूल्यांकन आवश्यक है। साथ ही, परियोजना के आर्थिक व्यवहार्यता की पुनः समीक्षा होनी चाहिए क्योंकि भारत में हाल में शुरू हुआ विशाखापत्तनम का ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल पहले से ही वैश्विक व्यापार में योगदान दे रहा है। पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। जैसे कि परियोजना क्षेत्र को क्ङझ् 1ऋ क्षेत्रों से बाहर रखा जाए। आदिवासी समुदायों को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। भूकंपीय जोखिमों के लिए साइट-विशिष्ट अध्ययन किए जाएं। निकोबार के भीतर ही प्रतिपूरक वनीकरण पर ध्यान दिया जाए। ग्रेट निकोबार द्वीप भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है। भ्रामक तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी में लिए गए निर्णय न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएंगे, बल्कि भारत की वैश्विक पर्यावरण संरक्षण प्रतिबद्धताओं को भी कमजोर करेंगे।

# उदयपुर फाइल्सः उन्हें फिल्म में सत्य दिखाने पर साम्प्रदायिकता की गंध आ रही है!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

सत्य घटना पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' अपने प्रसारण के लिए संघर्ष करती दिख रही है। सभी के सामने है, केस- मोहम्मद जावेद बनाम यूओआई और जानी फ़ायरफ़ॉक्स मीडिया बनाम मौलाना अरशद मदनी, जिसकी सुनवाई 24 जुलाई, 2025 को भी जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच में हुई। जिन्हें इस फिल्म से परेशानी है, वे सांप्रदायिकता का आधार लेकर यही चाहते हैं कि ये फिल्म कभी प्रदर्शित ही न हो। इस फिल्म के प्रदर्शन को रोकने के लिए बड़े-बड़े वकील लगे हुए हैं। ये लोग सर्वोच्च न्यायालय में फिल्म को 'भड़काने वाला' बता रहे हैं। कभी-कभी अभिव्यक्ति की बात करने वालों, उसके नाम पर प्रदर्शन करेनवालों और कोर्ट में इस फिल्म के प्रदर्शन को रोकने के लिए जो केस लड़ रहे हैं, उनकी सोच पर आश्चर्य होता है। क्या अभिव्यक्ति का अर्थ सिर्फ भारत में बहुसंख्यक हिन्दू समाज पर ही लागू है? जब हम सेक्युलर शब्द का इस्तेमाल अपने देश के लिए करते हैं, तो यह सेकुलरिज्म को बनाए रखने की जिम्मेदारी सिर्फ इस देश के हिन्दू समाज के ऊपर ही है? इस प्रकरण में जब राष्ट्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने इसके प्रदर्शन को लेकर अपनी सहमति दे दी। विवाद से जुड़े सभी दृश्य हटा दिए गए। तब फिर क्यों सर्वोच्च न्यायालय में यह सिद्ध करने का प्रयास हो रहा है कि यह फिल्म दिखाई ही नहीं जानी चाहिए। इससे (हिन्दू-मुस्लिम) सांप्रदायिक तनाव होने का खतरा है। क्या इस सच को झुठलाया जा सकता है कि 28 जून, 2022 को उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल तेली की हत्या दो जिहादियों-रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने धारदार हथियार से गला काटकर कर दी थी! एक अन्य जिहादी ने तो हत्या का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया तक में साझा किया था। आरोपियों ने दावा किया कि यह कृत्य पूर्व भाजपा नेता नूपुर शर्मा के समर्थन में कन्हैयालाल द्वारा सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट का बदला लेने के लिए किया गया है। इस हत्याकांड के बाद पूरी दुनिया में बर्बर जिहादी सोच पर चिंता जताई गई थी। देखा जाए तो इसी जिहादी सोच के प्रति जागरुक करने के लिए फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' लोगों के सामने प्रस्तुत करने का प्रयास फिल्म निर्देशक भरत एस. श्रीनेत के द्वारा किया गया। फिर भी यह समझ से परे है कि आखिर मोहम्मद जावेद और मौलाना अरशद मदनी एवं कुछ अन्य इस फिल्म को क्यों नहीं




प्रदर्शित होने देना चाहते? जबकि सर्वोच्च न्यायालय में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा बताया गया है कि फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' में 55 कट लगाए गए हैं। भड़काऊ सामग्री हटाई गई है। डिस्क्लेमर जोड़े गए हैं; फिल्म की कहानी पूरी तरह से संतुलित है। न्यायालय को राष्ट्रीय फिल्म प्रमाणन मानदंडों द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है, यहां तक कि विदेश मंत्रालय तक से भी इस फिल्म पर परामर्श किया गया है। फिल्म से 13 मिनट का फुटेज काट दिया गया है। पूरी फ़िल्म में सामान्य भाषा का इस्तेमाल किया गया है। सुनवाई के दौरान, निर्माताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने भी इसी तरह की अपनी जानकारी से कोर्ट को अवगत कराया। फिल्म के प्रसारण के पूर्व जो छह प्रमुख बदलाव लागू करने का निर्देश दिया गया था, वे सभी हो चुके हैं। फिर इतने अधिक परिवर्तन करने के बाद भी कोर्ट में मोहम्मद जावेद और मौलाना अरशद मदनी की ओर से खड़े वकील फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' को सिनेमा घरों में प्रदर्शित होने देना नहीं चाहते! इस फिल्म रिलीज का विरोध करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल (जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से) और मेनका गुरुस्वामी (आरोपी मोहम्मद जावेद की ओर से) का तर्क कि फिल्म आरोपपत्र की नकल करती है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काती है- वास्तव में समझ से परे है। ऐसा इसलिए है क्योंकि फिल्म समाज के जागरण के लिए है। आज इस बात की सबसे ज्यादा जरूरत है कि जो लोग न्यायालय में इस फिल्म के विरोध में खड़े हैं, वे कन्हैयालाल के परिवार के दर्द को भी समझें।

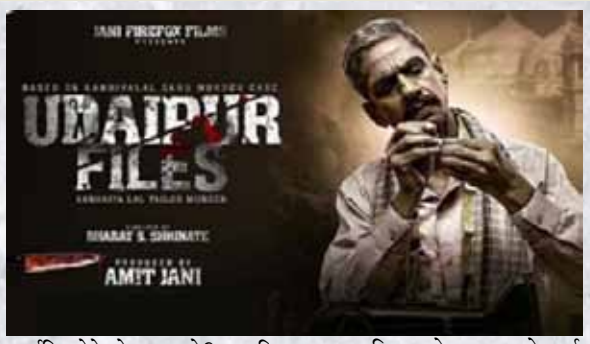

**तीन साल से इस केस में किसी भी अपराधी को सजा नहीं मिली-** बेटे यश का दर्द भी यही है, 'फिल्म के खिलाफ जो याचिका लगी है, वह शायद तीन या चार दिन पहले लगी थी। लेकिन एक याचिका जो उसने अपने पिताजी के साथ हुई बर्बर घटना के समय आज से करीब तीन साल पहले लगाई थी, उस केस का अबतक कोई निष्कर्ष नहीं निकला। आज तक वह केस जैसे का तैसा ही है। उस केस में डेढ़ सौ से अधिक गवाह थे, जिसमें शायद 15 या 16 की पेशियां भी नहीं हुईं। न उसमें फास्ट ट्रैक लगा। सबूत वगैरह सब कुछ होने के बावजूद तीन साल से इस केस में किसी भी अपराधी को सजा नहीं मिली।' यश कहते हैं, 'जब कोई फिल्म के जरिए देश को हकीकत दिखाना चाहता है, तो इसके लिए पूरा सिस्टम खड़ा हो जाता है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद, मौलाना मदनी आ जाते हैं कि नहीं; इस फिल्म पर रोक लगनी चाहिए। और सिर्फ तीन दिन के अंदर हमें पता चल रहा है कि फिल्म पर रोक भी लग गई। वहीं जब किसी केस में अपराधियों को सजा देनी होती है, तो वह नहीं हो रही है। यह गंभीरता से सोचने वाली बात है।' विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल कहते हैं, "उदयपुर में कन्हैयालाल के हत्यारों के विरुद्ध एनआईए ने छह माह में ही चार्जशीट दाखिल कर दी थी। किंतु, दुर्भाग्य से मानवता के उन शत्रुओं को तीन वर्षों में भी फांसी नहीं दी जा सकी। दूसरी ओर फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर मात्र तीन घंटे में, बिना फिल्म देखे, उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश आना तथा उस ऑर्डर की कॉपी, सम्बंधित पक्षकारों को 21 घंटे बाद तक भी न मिल पाना, बहुत कुछ कहता है? उस फिल्म में आखिर गलत क्या है? क्या हत्या नहीं हुई?" ये फिल्म सही अर्थों में भारत के आमजन को जगाने वाली एवं तमाम विषयों पर गहराई से सोचने एवं उस पर विमर्श खड़ा करने का सामर्थ्य रखती है। अच्छा हो कि जो आज इस फिल्म के प्रसारण को रोकने के लिए सक्रिय हैं, वे भी भारत की लोकतांत्रिक संवेदना के सशक्तिकरण के लिए आगे आएं और फिल्म के प्रसारण का समर्थन कर इसे अतिशीघ्र सिनेमाघरों में प्रदर्शित करवाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

**मेष राशिः** आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप किसी जरुरी काम को पूरा करने में सफल रहेंगे साथ ही किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। आज आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता आएगी, माता – पिता का आशीर्वाद बना रहेगा। आप अपनी इच्छा शक्ति मजबूत करके अपने सपनों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

**वृष राशिः** आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप पिता के साथ व्यापार में हाथ बटाएंगे, जिससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी। इस राशि के सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वाले छात्रों को जल्द ही सफलता मिलेगी, लेकिन अभी मेहनत करने की जरुरत है। शादीशुदा रिश्तों में तालमेल बना रहेगा और आज आप परिवार के साथ बैठकर इंजॉय करेंगे।

**मिथुन राशिः** आज का दिन आपके लिए मिली – जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप बिजनेस के लेन – देन में थोड़ी सतर्कता अवश्य बरतें। आज नेटवर्क मार्केटिंग करने वालों को नए क्लाइंट मिलेंगे, जिससे आपको बड़ा मुनाफा होगा। आज आप माता – पिता को बाहर घूमाने ले जा सकते हैं, उनको ख़ुशी मिलेगी। आज आपका अधिकतर समय पढ़ने – लिखने में व्यतीत होगा, जिससे आपकी नॉलेज भी बढ़ेगी।

**कर्क राशिः** आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे, जो आपकी तरक्की में सहायता करेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा और आज बच्चे भी मन लगाकर पढ़ाई करेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बढ़िया रहेगा, आज आप खुद को बेहतर महसूस करेंगे। आज आपके घर पर अचानक मेहमानों का आगमन हो सकता है, पुरानी यादें तरोताजा होंगी।

**सिंह राशिः** आज का दिन आपके लिए ठीक – ठाक रहने वाला है। आज आप इन्वेस्टमेंट का प्लान बना सकते हैं और आज आपको अच्छा ऑफर मिलने की संभावना है। आज आप सामाजिक कार्य में अपनी रुचि दिखायेंगे और आज आपकी मुलाकात अनुभवी व्यक्तियों से होगी। आज आपको ससुराल पक्ष से खुशखबरी मिलेगी, जिससे घर में आनदं बना रहेगा।

**कन्या राशिः** आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें आपको बढ़िया धन लाभ होगा। आज आप माता – पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करने जा सकते हैं, जहां आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आप किसी दोस्त से अपने मन की बात कर सकते हैं, जिससे आपका मन हल्का होगा। आज प्राइवेट ऑफिस में कार्यरत व्यक्तियों को उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

**तुला राशिः** आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपके बिजनेस में बड़ा धन - लाभ होगा और परिवार का माहौल भी खुशनुमा बना रहेगा। आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के हेल्थ केयर से जुड़े हुए व्यक्तियों को आज अनुभवी डॉक्टरों से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। अगर आपका पैसा मार्केट में अटका हुआ है तो, आज वो आपको वापस मिल जायेगा।

**वृश्चिक राशिः** आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। व्यापारिक दृष्टी से आज सब ठीक रहेगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे। आज परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, धैर्य और संयम बनाएं रखें। इस राशि के छात्र टेस्ट पेपर में अच्छे अंक प्राप्त करेंगे, जिससे पेरेंट्स को गर्व होगा। आज पुराने दोस्तों से मुलाकात हो सकती है, ये मुलाकात आपके किसी काम में सहायक सिद्ध होगी।

**धनु राशिः** आज आपका दिन नयी संभावनाओ से भरा रहेगा। आज आपके व्यवसाय में सुधार होगा और परिवार के साथ समय बिताने का आपको मौका मिलेगा। शादीशुदा रिश्तों में खुशियां आएंगी , बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

**मकर राशिः** आज का दिन आपके लिए अच्छा बना रहेगा। इलेक्ट्रिक बिजनेस करने वाले आज दोगना लाभ कमायेंगे और अपने व्यापार को आगे बढ़ाएंगे। आज किसी रिश्तेदार की मदद से आपका रुका हुआ काम कंप्लीट हो जायेगा, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी।

**कुम्भ राशिः** आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें जीवनसाथी का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आज आप नेगेटिव चीजों से दूरी बनाकर रखें और सारा ध्यान अपने काम में लगायें। आज स्टूडेंट स्कूल में नए फ्रेंड बनायेंगे जिससे उनको ख़ुशी मिलेगी।

**मीन राशिः** आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपको व्यापारिक लेन – देन में मुनाफा होने के साथ – साथ बड़ा आर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से आज आपको मंहगा उपहार प्राप्त हो सकता है, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज अगर आप किसी काम के लिए जा रहें हैं, तो अपने डॉक्यूमेंट को एक बार अच्छे से चेक कर लें।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# मैनचेस्टर टेस्टः इंग्लैंड की मजबूत शुरुआत, भारत की पहली पारी 358 रन पर सिमटी

**मैनचेस्टर।** भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मेजबान टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 225 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड अब भी पहली पारी में भारत से 133 रन पीछे है। स्टंप्स के समय जो रूट 11 रन और ऑली पोप 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

**भारत की पहली पारी 358 पर समाप्त-** भारत ने दिन की शुरुआत 264/4 से की, लेकिन जल्द ही रवींद्र जडेजा (20) आउट हो गए। इसके बाद वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर ने 48 रन की अहम साझेदारी की। ठाकुर ने तेज खेल दिखाया, लेकिन बेन स्टोक्स की बाहर जाती गेंद पर बल्ला अड़ाने के प्रयास में 41 रन पर आउट हो गए। सुंदर ने हालांकि धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की और 90 गेंदों में 27 रन बनाए, लेकिन वह भी लंबे समय तक टिक नहीं सके।

## 'वॉरियर' बने ऋषभ पंत, डकेट और क्रॉली शतक से चूके

टेस्ट पदार्पण अंशुल कंबोज खाता खोले बिना आउट हो गए। भारत ने आखिरी चार विकेट सिर्फ 21 रन के भीतर गंवाए और पहली पारी 358 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान बेन स्टोक्स ने 5 विकेट झटके। जबकि जोफ्रा आर्चर को तीन विकेट मिले। वहीं, लियाम डावसन और क्रिस वोक्स को एक-एक सफलता मिली।

**डकेट-क्रॉली की तूफानी बल्लेबाजी-** जवाब में इंग्लैंड ने 'बैजबॉल' अंदाज में जवाब दिया। बेन डकेट और जैक क्रॉली ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली और पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी की। डकेट जहां 94 रन बनाकर शतक से चूक गए, वहीं क्रॉली ने 84 रन की पारी खेली। क्रॉली को रवींद्र जडेजा ने और जबकि डकेट को अंशुल कंबोज ने आउट किया। कंबोज के लिए यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट था।

**पंत बने वॉरियर-** दूसरे दिन भी ऋषभ पंत सुर्खियों में रहे, जिन्होंने अंगूठे में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी की। उनकी जुझारू पारी ने सभी का ध्यान खींचा और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में योगदान दिया।

**मुकाबले में रोमांच बरकरार-** 166 रनों की ओपनिंग साझेदारी के बाद भारतीय गेंदबाजों ने वापसी की और 31 रन के भीतर दो बड़े विकेट चटकाए। अब मुकाबला संतुलन में दिखाई दे रहा है। तीसरे दिन भारत की कोशिश इंग्लैंड को कम से कम स्कोर पर रोकने की होगी, ताकि दूसरी पारी में बढ़त ली जा सके।

## ऋषभ ने साहसिक अर्धशतकीय पारी खेली

**मैनचेस्टर।** भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने चोटिल होने के बाद भी इंग्लैंड के खिलाफ यहां मैनचेस्टर टेस्ट में साहसिक अर्धशतकीय पारी खेलकर प्रशंसकों को खुश कर दिया। ऋषभ पहले दिन बल्लेबाजी के दौरान गेंद लगने से चोटिल हो गये थे। इस कारण वह अपने पैर पर खड़े भी नहीं हो पा रहे थे, वहीं दूसरी दिन उन्होंने अंगूठे में फ्रैक्चर के बाद भी अपने साहस से बल्लेबाजी कर सभी को हैरत में डाल दिया। उन्होंने पूरे जोश के साथ बल्लेबाजी की। इस दौरान उनके चेहरे पर मुस्कान नजर आयी और उन्होंने साबित कर दिया कि वह अपनी टीम के लिए पूरी लड़ाई लड़ना चाहते हैं। पहले दिन वह 37 रनों पर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। दूसरे दिन उन्होंने अर्धशतक लगाया और 54 रन बनाकर आउट हुए। इससे भारतीय टीम ने पहले पारी में 358 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स ने 5 विकेट लिए। पैर में फ्रैक्चर होने के बावजूद भी पंत लगातार रन बनाकर अपनी जिम्मेदारी निभाते दिखे। पंत की हालत देखकर कोई भी यह अंदाजा नहीं लगा सकता कि वह खेल पायेंगे पर अपने जुझारु रवैये और साहस के कारण वह मैदान में उतरे।

## यूपी वॉरियर्स ने आगामी डब्ल्यूपीएल सीज़न से पहले अभिषेक नायर को मुख्य कोच नियुक्त किया

**नई दिल्ली।** महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के सीज़न 4 से पहले यूपी वॉरियर्स ने एक बड़ा कदम उठाते हुए अनुभवी और सम्मानित अभिषेक नायर को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। नायर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएल खिताब दिलाने में सहायक कोच के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, और इस साल की शुरुआत में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने वाले कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा रहे थे। इस घोषणा को प्रसिद्ध स्टैंड-अप कॉमेडियन ज़ाकिर खान के साथ मिलकर सोशल मीडिया पर दिलचस्प अंदाज़ में पेश किया गया, जिन्हें यूपी वॉरियर्स के फैंस का चेहरा बनाया गया है। इस अनोखे अनाउंसमेंट वीडियो की शूटिंग अभिषेक नायर के स्कूल, बॉम्बे स्कॉटिश में की गई थी। भारतीय क्रिकेट सर्कल में एक सम्मानित व्यक्तित्व, नायर खेल की गहरी समझ, खिलाड़ियों के विकास में सिद्ध अनुभव और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई कोचिंग भूमिकाओं में वर्षों का अनुभव लेकर आते हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई की घरेलू क्रिकेट टीम के एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में जाने जाने वाले नायर ने कोचिंग के क्षेत्र में भी जबरदस्त पहचान बनाई है। वे युवा प्रतिभाओं को संवारने और अनुभवी खिलाड़ियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं।

# काउंटी चैंपियनशिप में भारतीयों का जलवाः तिलक वर्मा ने हैम्पशायर के लिए जड़ा शतक

**नई दिल्ली।** काउंटी चैंपियनशिप डिविजन वन में गुरुवार को भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिला जुला रहा। खासकर तिलक वर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक लगाया । भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए नॉटिंघमशायर के खिलाफ शानदार शतक जड़ा। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 112 रन बनाए। उनका यह शतक हैम्पशायर को नॉटिंघमशायर के पहली पारी के 578/8 डिक्लेयर के स्कोर की ओर ले जाने में अहम साबित हुआ। वहीं, बाएं हाथ के स्पिनर आर. साई किशोर, जो सरे की ओर से खेल रहे हैं, ने यॉर्कशायर के खिलाफ एक और विकेट हासिल कर अपनी पारी पूरी की। उन्होंने 119 रन देकर 2 विकेट झटके। खलील अहमद, जो एसेक्स की ओर से खेल रहे हैं, ने ससेक्स के खिलाफ एक विकेट झटका और उनकी टीम जीत के करीब पहुंच गई है। इस बीच, युजवेंद्र चहल का नॉर्थैम्पटनशायर की ओर से खेलते हुए मिडलसेक्स के खिलाफ मैच बेहद खराब रहा। चहल ने पहली पारी में कोई विकेट नहीं लिया और दूसरी पारी में गोल्डन डक (पहली गेंद पर आउट) होकर पवेलियन लौट गए। भारतीय खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन दिखाता है कि वे इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं, हालांकि कुछ के लिए यह चुनौतीपूर्ण भी साबित हो रही है।

## भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार मैचों की श्रृंखला के लिए करेगी ऑस्ट्रेलिया का दौरा

**नई दिल्ली।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगस्त में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जहां वह पर्थ हॉकी स्टेडियम में 15 से 21 अगस्त तक चार मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज भारत के लिए एशिया कप 2025 की तैयारियों का एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। आठवीं रैंकिंग वाली भारतीय टीम का सामना छठी रैंकिंग वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम से होगा। मुकाबले 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। हाल ही में दोनों टीमें एफआईएच प्रो लीग 2024–25 के तहत यूरोप में आमने-सामने आई थीं, जहां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दोनों मैचों में 3-2 से हराया था। हालांकि, इससे पहले भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर इतिहास रच दिया था-यह ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की 1972 म्यूनिख खेलों के बाद पहली जीत थी। पिछले कुछ वर्षों में भले ही मुकाबले कड़े रहे हों, लेकिन समग्र आंकड़ों में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। साल 2013 से अब तक दोनों टीमों के बीच 51 मुकाबले हुए हैं, जिनमें से ऑस्ट्रेलिया ने 35 मैच जीते हैं, भारत ने 9 और 7 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। यह सीरीज 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले हीरो एशिया कप 2025 की तैयारियों के लिहाज़ से बेहद अहम मानी जा रही है।

## व्यापार

# लगातार दूसरे दिन गिरकर बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 6.51 लाख करोड़ की चपत

**नई दिल्ली।** सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन आज घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवाल पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए। इसके बादा लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.88 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, कैपिटल गुड्स, ऑटोमोबाइल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल सेक्टर में आज खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.88 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े छह लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 451.59 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) रह गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 458.10 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.51 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,154 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,126 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,886 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 142 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,654 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 475 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,179 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर बढ़त के साथ बंद हुआ, वहीं 29 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 7 शेयर हरे निशान में और 43 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 118.41 अंक की कमजोरी के साथ 82,065.76 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की गिरावट बढ़ने लगी। हालांकि खरीदारों ने कारोबार के दौरान कई बार लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि उनकी कोई भी कोशिश सफल नहीं हो सकी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 786.48 अंक टूट कर 81,397.69 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली खरीदारी की वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 65 अंक की रिकवरी करके 721.08 अंक की गिरावट के साथ 81,463.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 51.75 अंक टूट कर 25,010.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक नीचे की ओर लुढ़कता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 255.75 अंक फिसल कर 24,806.35 अंक के स्तर तक गिर गया। आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई मामूली खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी निचले स्तर से करीब 30 अंक की रिकवरी करके 225.10 अंक की कमजोरी के साथ 24,837 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सिप्ला 3 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.15 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल 1.43 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 0.98 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस 4.71 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 2.85 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.79 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.57 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 2.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

# सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी की कीमत घटी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,270 रुपये से लेकर 1,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,960 रुपये से लेकर 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,540 रुपये से लेकर 92,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,17,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता मोटर वाहन क्षेत्र के लिए फायदेमंद : सियाम

**नई दिल्ली।** सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का गर्मजोशी से स्वागत किया है। सियाम ने शुक्रवार को कहा कि इस समझौते से प्रमुख वैश्विक साझेदार के साथ सहयोग और अवसर के लिए नए रास्ते खुलेंगे। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने एक बयान में कहा, ''हम इस समझौते को एक व्यापक रणनीतिक भागीदारी के हिस्से के रूप में देखते हैं। यह एक प्रमुख वैश्विक साझेदार के साथ सहयोग और अवसर के लिए नए रास्ते खोलता है।'' उन्होंने कहा कि सियाम, भारत सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि समझौते के लाभ भारतीय मोटर वाहन उद्योग के लिए अधिक वृद्धि, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और प्रौद्योगिकी प्रगति में तब्दील हों सकें। चंद्रा ने कहा कि ब्रिटेन के साथ संपन्न ये समझौता भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी, खासकर विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि चूंकि दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं साझेदारी के एक नए चरण में प्रवेश कर रही हैं। ऐसे में वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच इस परिवर्तनकारी समझौते का संपन्न होना आधुनिक व्यापार एवं निवेश ढांचे को आकार देने में भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। इस समझौते से ब्रिटेन के बाजार में चमड़ा, विद्युत मशीनरी और रसायन जैसे कई घरेलू क्षेत्रों तक शुल्क मुक्त पहुंच उपलब्ध होगी, जिससे करीब 23 अरब यूएस डॉलर के व्यापार के अवसर खुलेंगे।

# आईटी कंपनी इंटेल के 25 हजार कर्मचारियों पर मंडराया छंटनी का संकट

**नई दिल्ली।** कंप्यूटर चिप बनाने वाली दुनिया की दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इंटेल के कर्मचारियों की नौकरी पर संकट मंडरा रहे हैं। इंटेल इस साल के अंत तक अपने 25 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी में है। इंटेल ने एक बयान में कहा कि उसने अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 15 फीसदी की कटौती करने की तैयारी पूरी कर ली है, जिसकी घोषणा पिछली तिमाही में की गई थी। दरअसल, मार्च में कार्यभार संभालने के बाद इंटेल के नए सीईओ लिप-बू टैन की ओर से लिए गए शुरुआती फैसलों में ये छंटनी शामिल थी। इंटेल कंपनी पिछले कुछ समय से मुश्किल के दौर से गुजर रही है। इससे पहले इंटेल ने अप्रैल, 2025 में भी कंपनी की लागत में कटौती करने के संकेत दिए थे, जिसमें 15 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की बात कही गई थी। ऐसे में कंपनी की वापसी के लिए यह फैसला अहम है। चिप निर्माता का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने "अपने मुख्य कार्यबल में करीब 15 फीसदी की कमी लाने के लिए पिछली तिमाही में घोषित की गई अपनी नियोजित कर्मचारी संख्या की अधिकांश कार्रवाइयों को पूरा कर लिया है। इंटेल ने 2024 के अंत तक 109,800 लोगों को रोजगार दिया था, जिनमें से कंपनी ने 99,500 को 'मुख्य कर्मचारी' के रूप में वर्गीकृत किया था। हालांकि, चिप निर्माता का कहना है कि वह वर्ष के अंत तक लगभग 75 हजार मुख्य कर्मचारियों के साथ काम करना चाहता है। ऐसे में कंपनी अपने 25 हजार कर्मचारी की छंटनी करने की तैयारी में है।

## ब्रिटेन के एफटीए से भारत को होगा फायदा, अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौतों की जरूरतः संजय मल्होत्रा

**मुंबई।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत को अन्य देशों के साथ इसी तरह के समझौते करने की जरूरत है। संजय मल्होत्रा ने आज मुंबई में बीएफएसआई आईटी शिखर सम्मेलन में कहा कि लंदन में ब्रिटेन के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते से हमें मदद मिलेगी। अब आगे बढ़ने का यही रास्ता है, क्योंकि दुर्भाग्य से बहुपक्षवाद पीछे छूट गया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इससे हमारे विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान वास्तविकताओं को देखते हुए जहां बहुपक्षवाद पीछे छूट गया है, भारत के लिए अन्य देशों के साथ ऐसे और समझौते करना जरूरी है। मल्होत्रा ने यह भी स्वीकार किया कि ऐसे कई और समझौते बातचीत के चरण में हैं। मल्होत्रा ने अपने अमेरिकी समकक्ष जेरोम पॉवेल का फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता को बनाए रखने के उनके प्रयासों के लिए समर्थन किया, ऐसे समय में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी नीतियों से अपनी असहमति सार्वजनिक रूप से व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वह (पॉवेल) बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता बनाए रखना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि उन्होंने सराहनीय काम किया है। बीएफएसआई शिखर सम्मेलन एक ऐसा मंच है, जहां बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र के विशेषज्ञ, नेता और नवप्रवर्तक एक साथ आते हैं। ये शिखर सम्मेलन इन क्षेत्रों में नवीनतम रुझानों, चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करने के लिए आयोजित किया जाता है।

# शॉर्ट ड्रेस में किलर पोज देती नजर आईं अवनीत कौर

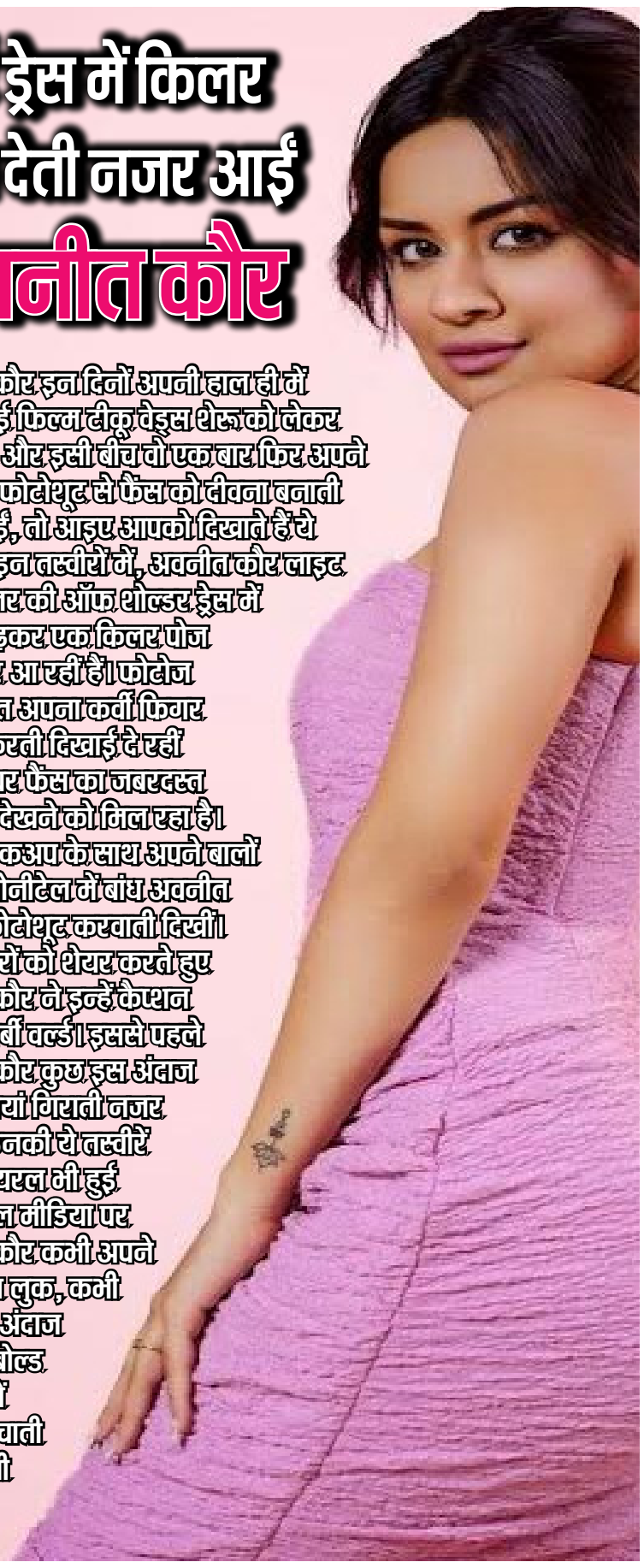

अवनीत कौर इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म टीकू वेड्स शेरू को लेकर चर्चा में हैं और इसी बीच वो एक बार फिर अपने ग्लैमरस फोटोशूट से फैंस को दीवना बनाती नजर आईं, तो आइए आपको दिखाते हैं ये फोटोज। इन तस्वीरों में, अवनीत कौर लाइट पर्पल कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में एक से बढ़कर एक किलर पोज देती नजर आ रहीं हैं। फोटोज में अवनीत अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रहीं हैं, जिन पर फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। ग्लॉसी मेकअप के साथ अपने बालों को एक पोनीटेल में बांध अवनीत कौर ये फोटोशूट करवाती दिखीं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अवनीत कौर ने इन्हें कैप्शन दिया - बार्बी वर्ल्ड। इससे पहले अवनीत कौर कुछ इस अंदाज में बिजलियां गिराती नजर आई थी उनकी ये तस्वीरें काफी वायरल भी हुई थीं। सोशल मीडिया पर अवनीत कौर कभी अपने ट्रेडिशनल लुक, कभी ग्लैमरस अंदाज तो कभी बोल्ड अवतार में धमाल मचाती नजर आती हैं।

# मानसून के दौरान रूसी से परेशान हैं? इन 5 घरेलू उपायों को अजमाएं

मानसून का मौसम अपने साथ कई समस्याएं लाता है, जिनमें से एक है रूसी। मानसून में अधिक नमी के कारण सिर की त्वचा में खुजली और रूसी बढ़ सकती है। हालांकि, बाजार में कई शैंपू और दवाएं उपलब्ध हैं, लेकिन उनमें रसायन होते हैं, जो सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे घरेलू उपाय बताते हैं, जिनसे मानसून में भी रूसी की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

### नारियल के तेल और नींबू का मिश्रण लगाएं

नारियल का तेल और नींबू का मिश्रण नमी को दूर करने और रूसी को कम करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक चम्मच नींबू के रस में दो चम्मच नारियल के तेल मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अपने सिर की त्वचा पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। 30 से 45 मिनट के बाद सिर को गुनगुने पानी से धो लें। हफ्ते में 2 बार इस घरेलू उपाय को आजमाएं।

### दही और शहद का मिश्रण बनाएं

दही और शहद का मिश्रण भी रूसी की समस्या से राहत दिला सकता है। इसके लिए एक कटोरी में 3 बड़ी चम्मच दही और 2 चम्मच शहद मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाएं और 20-30 मिनट के बाद सिर को शैंपू से साफ कर लें। दही में मौजूद प्राकृतिक तत्व और शहद की नमी मिलकर रूसी को कम कर सकते हैं। इस उपाय को नियमित रूप से अपनाएं।

### एलोवेरा जेल और टी ट्री तेल लगाएं

टी ट्री तेल में ऐसे गुण होते हैं, जो रूसी पैदा करने वाले जीवाणुओं को खत्म करने में मदद कर सकते हैं, वहीं एलोवेरा जेल सिर की त्वचा को पोषण देने के साथ-साथ रूसी की समस्या को बढ़ने से रोक सकता है। लाभ के लिए एक कटोरी में 2 चम्मच एलोवेरा जेल और 5 बूंद टी ट्री तेल मिलाकर अपने सिर पर लगाएं और आधे घंटे बाद शैंपू से साफ कर लें।

### सेब का सिरका आएगा काम

सेब के सिरके में ऐसे तत्व होते हैं, जो सिर की त्वचा का संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं और रूसी की समस्या को कम कर सकते हैं। लाभ के लिए 2 चम्मच सेब के सिरके को एक कप पानी में मिलाएं, फिर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भरकर अपने सिर पर छिड़कें। 15 मिनट के बाद सिर को गुनगुने पानी से धो लें।

### मेथी के बीजों का पेस्ट बनाएं

मेथी के बीज प्राकृतिक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो रूसी की समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरी में एक चम्मच मेथी के बीजों का पाउडर और एक चम्मच नींबू के रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाएं और 30 मिनट के बाद सिर को शैंपू से साफ कर लें। हफ्ते में 1 बार इस उपाय को आजमाएं।

# वॉर 2 का हिस्सा नहीं बनने पर वाणी कपूर ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री वाणी कपूर ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। काफी समय से वह अपनी पहली वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। इस सीरीज का प्रीमियर 25 जुलाई, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होगा। वाणी इन दिनों खूब इंटरव्यू दे रही हैं। अब इस बीच वाणी ने ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की वॉर 2 का हिस्सा नहीं बनने पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानें उन्होंने क्या कहा। वाणी ने कहा, नहीं, मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे वॉर जैसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। वॉर 2 बहुत खूबसूरत लग रही है। यह बॉलीवुड की सबसे बड़ी फिल्म है। मैं टीम को बधाई देती हूं। वाणी ने आगे कहा, मैं, सिड (निर्देशक सिद्धार्थ आनंद) और टाइगर श्रॉफ, तीनों ही सीक्वल में नहीं हैं। टाइगर और मैं, दोनों वॉर में मर गए थे। अगर टाइगर वापस आते तो मैं भी वापसी आती। वॉर 2 की बात करें तो यह फिल्म 14 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज होगा। अयान मुखर्जी ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। कियारा आडवाणी भी फिल्म का हिस्सा हैं।

# फिल्म सैयारा का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी, पार किया 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा

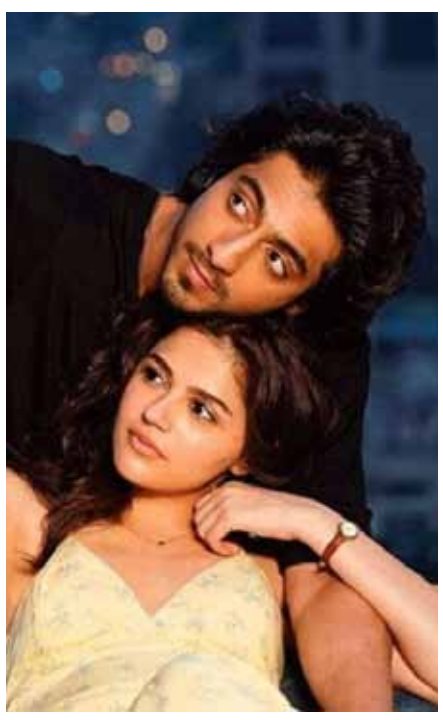

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है। खास बात यह है कि इस फिल्म के हीरो अनन्या पांडे के भाई अहान पांडे हैं। इसमें उनकी जोड़ी अनीत पड्डा के साथ बनी है। 18 जुलाई को रिलीज हुई यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। आइए जानें सैयारा ने रिलीज के छठे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। सैकनिल्क के मुताबिक, सैयारा ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 21 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 153.25 करोड़ रुपये हो गया है। सैयारा ने 21.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 26 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। इस फिल्म ने तीसरे दिन 35.75 करोड़ रुपये और चौथे दिन 24 करोड़ रुपये कमाए। पांचवे दिन इसने 25 करोड़ रुपये जुटाए थे। सैयारा 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा का खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। इस फिल्म के जरिए अहान ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है, वहीं बतौर लीड हीरोइन अनीत की भी यह पहली फिल्म है। फिल्म में अहान ने कृष और अनीत ने वाणी का किरदार निभाया है। सैयारा को बनाने में 45 करोड़ रुपये लगे थे। अक्षय विधानी ने इस फिल्म का निर्माण किया है।

# किरण अब्बावरम की के-रैंप की शीर्षक से उठा पर्दा, द रिचेस्ट चिलर गाय का विशेष झलक जारी

युवा और सफल नायक किरण अब्बावरम आगामी फिल्म के-रैंप में अभिनय कर रहे हैं, जिसका निर्माण राजेश दंडा और शिवा बोम्मक्कू ने हास्य मूवीज़ और रुद्रांश सेल्युलॉइड के बैनर तले संयुक्त रूप से किया है। इस फिल्म का निर्देशन जैन नानी कर रहे हैं और इसमें युक्ति थरेजा मुख्य भूमिका निभा रही हैं। के-रैंप दिवाली के मौके पर 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में भव्य रूप से रिलीज़ होने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने द रिचेस्ट चिलर गाय शीर्षक से फिल्म की एक विशेष झलक जारी की। इस झलक में, किरण अब्बावरम कुमार की भूमिका में नज़र आ रहे हैं, जो एक बेपरवाह और मज़बूत जन-भावना वाले युवा हैं। उनका शांत और शांत स्वभाव किसी और से बेजोड़ है, और वे इस किरदार को पूरी ऊर्जा और शान से निभाते हैं। हम मलयालम प्रेम कहानियों को एएमबी में देखते हैं और उन्हें हिट बना देते हैं, लेकिन हमें तेलुगु प्रेम कहानियों से दिक्कत है। उन फिल्मों में जो प्रामाणिकता है, वो अक्सर हमारी फिल्मों में नहीं होती। फिर भी, हम चाहते हैं कि प्यार सच्चा लगे... यह संवाद दिल को छू जाता है और झलक का मुख्य आकर्षण बन गया है। द रिचेस्ट चिलर गाय की झलक और दृश्य के-रैम्प के रूप में एक पूर्ण मनोरंजन का वादा करते हैं।

# छावा वाले दिनेश विजान 2 नए यूनिवर्स लाने को तैयार, महावतार से विक्की कौशल मचाएंगे धमाल

स्त्री 2 और छावा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर चुके निर्माता दिनेश विजान एक ओर जहां अपने सुपरनेचुरल यूनिवर्स के तहत कई हॉरर और हॉरर कॉमेडी फिल्में दर्शकों के बीच पेश करने वाले हैं, वहीं खबर है कि वह 2 और नए सिनेमाई यूनिवर्स लेकर आ रहे हैं। दिनेश अपनी प्रोडक्शन कंपनी मैडॉक फिल्म्स का दायरा और बढ़ाने जा रहे हैं और इसके लिए पहले से वो धांसू तैयारी कर चुके हैं। मैडॉक फिल्म्स 2 एकदम नई फ्रेंचाइजी की शुरुआत करने की तैयारी कर रहा है। हॉरर-कॉमेडी जगत में सिक्का जमा चुका ये प्रोडक्शन हाउस अब अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर कदम आगे बढ़ा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैडॉक फिल्म्स पिछले 2 साल से बिना किसी शोर-शराबे के द अरेबियन नाइट्स पर आधारित एक फैंटेसी यूनिवर्स बनाने की तगड़ी तैयारी कर रहा है। इस यूनिवर्स के जरिए दर्शकों के लिए लोकप्रिय लोककथाएं पर्दे पर देखने को मिलेंगी। इस ट्रायलॉजी की शुरुआत अली बाबा एंड द फोर्टी थीव्स से होगी। उसके बाद

अलादीन और जादुई चिराग और अंत में आएगी सिंबाद द सेलर। हर किस्त में जादू, रोमांच और सांस्कृतिक विरासत का मिश्रण के साथ कहानी कहने का ऐसा रोमांचक स्तर देखने को मिलेगा, जो भारतीय सिनेमा में शायद ही पहले कभी देखने को मिला होगा। अली बाबा एंड द फोर्टी थीव्स की शूटिंग इसी साल शुरू होने की उम्मीद है। अलिफ लैला को ही अंग्रेजी में अरेबियन नाइट्स कहते हैं। दरअसल, यह अरब देशों की कहानियों की एक सीरीज है, जो कि मूल रूप से फारसी भाषा में अलिफ लैला शीर्षक से रची गई थी। अलिफ लैला की अमूमन कहानियों में प्राचीन भारत, ईरान तथा अरब देशों की पौराणिक कथाओं का संग्रह है। ये कहानियां कल्पनाओं, तिलस्मी शक्तियों तथा जादुई किस्सों से भरी हुई हैं। इन्हें किसी एक लेखक ने नहीं, बल्कि कई लेखकों ने रचा है। इसके साथ ही मैडॉक चिरंजीवी यूनिवर्स का कॉन्सेप्ट भी तैयार कर रहा है, जो हिंदू कथाओं के अमर पात्रों पर केंद्रित एक पौराणिक सीरीज होगी। मैडॉक रामायण से प्रेरणा लेकर इस यूनिवर्स के तहत रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों के अमर पात्रों पर भी फिल्में बनाने का योजना बना चुका है। इस यूनिवर्स की शुरुआत विक्की कौशल की अगली फिल्म महावतार होगी, जो भगवान विष्णु के 10 अवतारों में से एक वीर योद्धा चिरंजीवी परशुराम की कहानी कहती है।

# तेजा सज्जा की पैन इंडिया फिल्म मिराई का पहला गाना वाइब उंडी 26 जुलाई को होगी रिलीज

हनुमान के साथ जबरदस्त प्रभाव छोड़ने के बाद, सुपर हीरो तेजा सज्जा अपनी अगली बड़ी फिल्म, मिराई लेकर आ रहे हैं। इस धमाकेदार और महाकाव्यात्मक प्रोजेक्ट का निर्माण, अग्रणी प्रोडक्शन हाउस पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा किया जा रहा है, जिसके निर्देशक दूरदर्शी फिल्म निर्माता कार्तिक गट्टामनेनी हैं। टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद द्वारा निर्देशित, इस टीज़र ने देश भर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। अपने भव्य दृश्यों, मनमोहक कहानी और एक समृद्ध काल्पनिक दुनिया के साथ, मिराई सुपरहीरो शैली में एक क्रांति लाने का वादा करती है। फिल्म का संगीतमय प्रचार 26 जुलाई को रिलीज होने वाले पहले सिंगल वाइब उंडी के साथ शुरू होने वाला है। जैसा कि शीर्षक और पोस्टर से जाहिर है, वाइब उंडी एक धमाकेदार टेक्नो-बीट नंबर होने का वादा करता है, जिसमें मुख्य जोड़ी - तेजा सज्जा और रितिका नायक - के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई जाएगी। तेजा एक दमदार लेकिन स्टाइलिश लुक में हैं, उन्होंने एक आधुनिक पोशाक पहनी है और एक मजबूत, वीर आभा बिखेर रहे हैं। रितिका, जो बेहद खूबसूरत

लग रही हैं, एक पल के लिए तेजा से नज़रें मिलाती हैं। उनके पीछे, घूमती हुई सुनहरी ऊर्जा एक जादुई निशान बनाती है, जो एक विशाल, अलौकिक स्पर्श जोड़ती है जो मिराई की पौराणिक-काल्पनिक दुनिया से पूरी तरह मेल खाता है। मनोज मांचू ने खतरनाक प्रतिपक्षी की भूमिका निभाई है, जबकि श्रिया सरन, जयराम और जगपति बाबू अन्य प्रमुख कलाकार हैं। निर्देशक कार्तिक गट्टामनेनी न केवल मिराई का निर्देशन करते हैं, बल्कि छायाकार के रूप में भी अपनी विशेषज्ञता का परिचय देते हैं। फिल्म की पटकथा कार्तिक ने स्वयं लिखी है, और मणिबाबू करणम ने लेखन और संवादों में योगदान दिया है। कला विभाग के प्रमुख श्री नागेंद्र तंगाला, जबकि कार्यकारी निर्माता के रूप में सुजीत कुमार कोल्ली, फिल्म निर्माण की देखरेख करते हैं, मिराई की दुनिया को समृद्ध दृश्य विवरणों के साथ जीवंत किया गया है। पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित, जो कार्तिकेय 2 और जाट जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के पीछे रचनात्मक शक्ति रही है, मिराई स्टूडियो की अखिल भारतीय यात्रा में एक साहसिक कदम है। टीज़र में शानदार दृश्य और सिनेमाई पैमाने का प्रदर्शन किया गया है, जो इस परियोजना को वैश्विक उत्पादन मानकों के अनुरूप दर्शाता है। फिल्म में वास्तव में रिकॉर्ड संख्या में वीएफएक्स शॉट्स होंगे। 5 सितंबर को विश्वव्यापी रिलीज के लिए निर्धारित, मिराई आठ भाषाओं में सिनेमाघरों में आएगी, जो 2डी और 3डी दोनों प्रारूपों में उपलब्ध होगी।

# Monsoon Session: Opposition demands withdrawal of SIR, says will fight with strength

**New Delhi,** Congress MP Manikam Tagore targeted the government on the issue of Special Intensive Revision (SIR) of voter list being issued in Bihar. He said that the government is not ready for discussion and is scared. Congress MP Manikam Tagore said, we want to run the House and our demand is that the Leader of the Opposition should be given a chance to speak. The government is not ready for discussion and is scared. After the resignation of the Vice President, they are unable to understand what to do next. The Prime Minister himself is on a foreign tour. We hope that when he comes back, he will definitely put forward some proposal. He said, today is the last day of this week, and I hope that the proceedings of the House will continue

today. Our demand today also is that the Leader of the Opposition should be allowed to speak. Congress MP Manikam Tagore said on the special intensive revision, names of 62 lakh voters have been removed in Bihar. This decision is a betrayal of the country and the poor. We will continue to fight against it and raise our voice under the leadership of Rahul Gandhi. Congress MP Hibi Eden said, this is not just the demand of Congress but of the entire opposition. We are protesting on issues. When we protest on any different issue, none of our allies join us, but we have unitedly demanded on this matter, which is a matter of great importance and serious discussion. This needs to be reconsidered and the SIR needs to be withdrawn. TMC MP Sagarika Ghose said on the issue of SIR, We are opposing the Special Intensive Revision (SIR) both inside and outside the House. The way the Election Commission has implemented SIR, thousands of people are being deprived of their voting rights, especially common citizens, daily wage workers and migrant workers who go between states for employment. Their voting rights are being taken away. That is why we are strongly protesting. We have also submitted several notices in this regard. I believe that this decision should be strongly opposed. On the special in-depth review, Samajwadi Party MP Dharmendra Yadav said, "We will fight strongly in Parliament with the blessings and support of the people so that the government or the commission is forced to withdraw this decision."

# Modi became the second longest serving Prime Minister leaving behind Indira Gandhi

**New Delhi,** Prime Minister Narendra Modi has created a new history in Indian politics. He has come to the second place in the list of longest serving Prime Ministers of the country. With this achievement, he has left behind former Prime Minister Indira Gandhi. Now only the country's first Prime Minister Pandit Jawaharlal Nehru is ahead of him in this list. Indira Gandhi's tenure as Prime Minister was 4,077 days. Prime Minister Modi has now crossed this figure. It is worth noting that Narendra Modi has been at the helm of power continuously for the last 24 years. Before becoming the Prime Minister, he was the Chief Minister of Gujarat continuously and has been leading the country for the last 11 years. Another interesting fact is that Narendra Modi is the first person born after the independence of the country to reach the chair of Prime Minister. Prime Minister Modi has set many records in his political journey. Let's know some more interesting facts related to him: – He is the first non-Congress Prime Minister of the country to serve such a long tenure. Earlier this record was in the name of Atal Bihari Vajpayee. - If his tenure as Chief Minister of Gujarat is also included, he is the longest-serving head of any elected government. He is the second leader after Pandit Nehru who

is leading the central government after winning three consecutive elections. He is the first non-Congress Prime Minister of the country who formed a government with full majority twice on his own. After Indira Gandhi, he is the first PM who returned to power with full majority twice. He is the only leader in the country who has won 6 consecutive elections (three assembly and three Lok Sabha). He won the Gujarat assembly elections in 2002, 2007 and 2012 and the Lok Sabha elections in 2014, 2019 and 2024.

# Central government will give special leave to employees to take care of elderly parents

**New Delhi,** Central government employees will be able to avail 30 days of leave, which includes 20 days of half pay leave, 8 days of casual leave and 2 days of restricted leave. This information was given by Union Minister of State for Personnel, Public Grievances and Pensions Jitendra Singh in response to a question by Rajya Sabha MP Sumitra Balmiki. Actually, the central government has allowed its employees to take 30 days of earned leave (EL), 20 days of half pay leave, 8 days of casual leave (CL), and 2 days of restricted leave (RH) per year for personal reasons including caring for elderly parents. Minister Jitendra

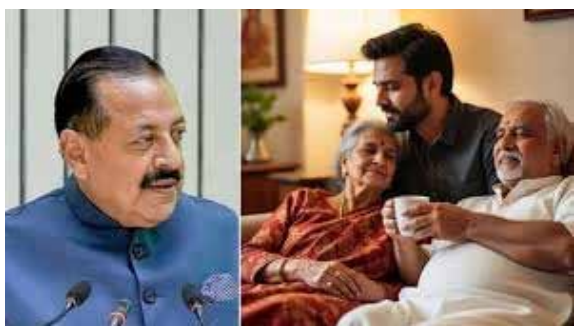

Singh said that employees can avail these leaves for personal reasons (care of elderly parents) under the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972. He said, Central Government employees are entitled to 30 days of earned leave, 20 days of half pay leave, 8 days of casual leave and 2 days of restricted leave per year along with other eligible leaves, which they can use for any personal reason. The 'Central Civil Services (Leave) Rules, 1972' (effective from June 1, 1972) provide for various types of leaves for employees. These include earned leave, half pay leave, maternity leave, paternity leave, adoption leave, work-related illness and injury, sailors' leave, departmental leave and study leave. A leave account is maintained for employees, which contains details of leaves on 1 January and 1 July every year. Deductions are made from this account when leaves are availed. However, special leaves such as maternity, paternity and child care are not deducted from the account and are granted when required. According to the rules, some holidays can be combined with other holidays or leaves. Every employee is given 2.5 days of earned leave for every month of service. In addition, female employees (including trainees) with less than two children can get maternity leave up to 180 days and male employees can get paternity leave up to 15 days.

# Ruckus continues on the last day of Bihar Assembly Monsoon Session, CM Nitish mocks opposition's performance

**Patna,** On the last day of the monsoon session of the Bihar Legislative Assembly on Friday, there was uproar again in the House. MLAs of opposition parties (RJD, Congress and Left) came during the bell of the House and shouted slogans and tried to break the tables during the question hour. Assembly Speaker Nand Kishore Yadav repeatedly appealed to maintain peace, but sloganeering and uproar continued, due to which he had to adjourn the proceedings. Opposition MLAs, who are protesting against the special voter list amendment in the state, reached the assembly wearing black clothes for the fifth consecutive day. The opposition's protest was to demand a discussion on

the alleged irregularities in the voter list. Chief Minister Nitish Kumar, who was present in the House during the uproar, took a dig at the opposition's protest dress. CM Nitish said that everyone is wearing the same clothes. One thing has become clear, earlier there used to be a ruckus for one or two days, the rest of the days the work continued. Now everyone is doing the same thing every day. He further said that people know how much work the government has done and people are getting benefits everywhere. During the five-day monsoon session, the opposition continuously created ruckus over the voter list amendment, due to which legislative work was affected. The opposition alleges that the government and the Election Commission are working together to remove the names of the poor from the voter list before the assembly elections. The government has rejected this allegation. Since the beginning of the session, the opposition has been creating ruckus both inside and outside the House, demanding a debate on the voter list amendment. The matter has reached the Supreme Court, where the opposition has alleged irregularities in the Election Commission's process. The Election Commission has defended the Special Intensive Revision (SIR), saying it enhances purity of elections by removing "ineligible persons" from the voters' list.

# Maharashtra: 39 kg of amphetamine drugs seized in Jalgaon, MLA Mangesh Chavan suspects links with foreign countries

**Jalgaon,** A consignment of drugs was caught in Jalgaon district of Maharashtra. Local MLA Mangesh Chavan has suspected the involvement of a big international gang in this. Mangesh Chavan informed Chief Minister Devendra Fadnavis about the entire matter and demanded a thorough investigation. Police in Jalgaon district of Maharashtra have seized a consignment of 39 kg of amphetamine drugs. During the search of a suspicious vehicle in Chalisgaon of Jalgaon district, about 39 kg of amphetamine drugs

were recovered. Police immediately took the driver along with the vehicle into custody. According to the initial estimate of the police, the seized 39 kg of amphetamine drugs are likely to be worth Rs 40 to 50 crores. According to the police, the drugs were being transported from Delhi to Bengaluru in Karnataka via Chhatrapati Sambhajinagar. As soon as the information about this incident was received, Chalisgaon MLA Mangesh Chavan reached the spot and took detailed information about the action. Mangesh Chavan said that this is not only an interstate gang, but there is also a possibility of international connections being revealed, because amphetamine is a drug that is smuggled in large quantities from foreign countries. He said, the enemies of the country are working to make the youth of the country addicted to drugs and destabilize the country by increasing the supply of drugs. I have immediately informed the state Chief Minister Devendraji Fadnavis and Water Resources Minister Girish Mahajan about this action and requested them to investigate it thoroughly. MLA Mangesh Chavan said that this action further strengthens Chief Minister Devendraji Fadnavis' resolve for a drug-free Maharashtra and I congratulate the entire police administration. State Director General of Police Rashmi Shukla, Special Inspector General of Police Dattatreya Karale and Jalgaon Superintendent of Police Maheshwar Reddy have also taken this action seriously. At present, the police is seriously investigating this matter.

# School building collapsed in Jhalawar, Rajasthan, 5 children died; more than 30 are in critical condition

**Jhalawar,** A very sad news came from Jhalawar, Rajasthan this morning. Where 5 children died due to the collapse of a government school building. More than 30 children are seriously injured in the accident. The accident happened in the morning at Piplodi Government School of Manoharthana Block. There was chaos all around after the building collapsed. With the help of teachers and villagers, some children were pulled out. Dr. Kaushal Lodha of Manoharthana Hospital said that 35 injured children were brought in. Out of these, 11 seriously injured children have been referred to the district hospital. As soon as the information was received,

police and administrative officials reached the spot. The work of removing the debris is being done rapidly with the help of JCB machine. Relief and rescue work is going on and the condition of many children is said to be critical. The administration has given instructions to provide better treatment to the injured students, while questions are being raised on the dilapidated condition of the school building. Villagers said that the school building was very old and complaints of water leakage during rains had been made earlier as well. Currently, orders have been given to investigate the incident. This accident is once again raising serious questions on the dilapidated condition of government schools. Such accidents have happened earlier in the state as well.

# Dreaded criminal Govindachami, convicted in Soumya rape-murder case, escaped from high-security jail, police released wanted poster

**Kannur,** A sensational news has come out from Kerala this morning, which has created panic in the security system of the entire state. Dreaded criminal Govindachami, convicted in the famous Soumya rape and murder case of 2011, has escaped from Kannur Central Jail. According to the information, he escaped early this morning by cutting the bars of the high-security cell of the jail. The police have issued a high alert in the state, released the wanted poster of the culprit and started a massive search operation. According to prison officials, the incident came to light at around 7:15 am today,

Friday, when Govindachami was found missing from his cell. He was kept in a high-security cell of the prison. Initial investigations revealed that he cut the iron bars of his cell and managed to escape from there. Kannur Town police confirmed the case and said that detailed information about the incident is being gathered and all possible efforts are being made to nab the prisoner. Govindachami alias Charlie Thomas is one of Kerala's most hated criminals. This habitual offender, hailing from Virudhachalam in Tamil Nadu, was serving life imprisonment for the rape and murder of 23-year-old Soumya on February 1, 2011. He attacked Soumya in a passenger train from Ernakulam to Shoranur, raped and killed her. Even before this heinous crime, he had several cases of theft and robbery registered against him in Salem, Tamil Nadu. The police have released a wanted poster with Govindachamy's latest photo and have appealed to the public to immediately inform the police if they get any clue about him. The police have revealed a big identity of him and said that Govindachamy is missing one hand, which can help in identifying him. His absconding has once again reopened the wounds of that horrific crime of 2011.

# DGCA takes big action after Ahmedabad accident, issues 4 show cause notices to Air India; serious flaws found in safety rules

**New Delhi,** Nearly a month after the horrific plane crash in Ahmedabad, aviation regulator DGCA has tightened the screws on Air India. DGCA on Thursday issued four show cause notices to the airline. These notices have been sent on the allegations of serious lapses in the duty of the cabin crew, their rest hours, training and other operational procedures.\ According to sources, these notices were issued on July 23, which are based on the reports voluntarily submitted by Air India on June 20 and 21. In these reports, the airline itself has admitted that security rules were violated

during several flights in the last one year. The notices issued by DGCA mention several serious deficiencies. According to the notice, Air India clearly violated the rules related to mandatory duty and rest hours for cabin crew in at least four very long haul international flights (Ultra Long Haul flights). Apart from this, serious negligence was also shown in the training of the crew and the set operational procedures in many other flights. DGCA also found that in some cases the provisions of mandatory weekly rest (॥4 ॥ ॥ ॥) given to the crew members were also ignored, which is a serious threat to flight safety. Confirming receipt of the notice, Air India said in a statement, "We have received notices sent by the regulator, which relate to our voluntary reporting over the past one year. We will respond to these within the stipulated time. Air India considers the safety of passengers and crew paramount." It is worth noting that on June 12, 2025, an Air India Boeing 787-8 aircraft flying from Ahmedabad to London collided with a building soon after takeoff. 260 people died tragically in that horrific accident. It is believed that since that accident, DGCA has been taking extra strict measures against Air India.